RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

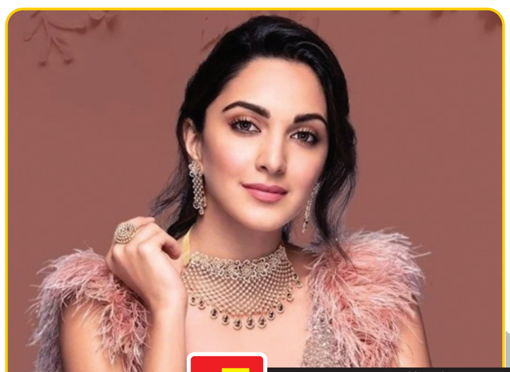

पेज 7 मदरहुड जर्नी को एंज्वॉय...

वर्ष : 27 | अंक : 234 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 13 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

बांके बिहारी ट्रस्ट विधेयक पास

विजन डाक्यूमेंट 2047 पर 24 घंटे की चर्चा शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज तीसरा दिन है। आज सुबह 11 बजे से विजन डाक्यूमेंट 2047 पर चर्चा शुरू हो गई है और कल सुबह 11 बजे तक चर्चा होगी। सत्र के दौरान बांकेबिहारी ट्रस्ट विधेयक को विधानसभा से पास कर दिया गया है। प्रस्ताव को ध्वनिमत से पास किया गया। शाम 6 बजे के बाद 26 मंत्रियों की ड्यूटी लगाई गई है। सदन में दूसरे दिन योगी सरकार के मंत्रियों और सपा विधायकों में खूब नोकझोंक देखने को मिली थी। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी हंगामा रहा था. विपक्ष के नेताओं ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की।

विजन डाक्यूमेंट 2047 पर चर्चा के दौरान वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि 1947 में देश की आजादी के बाद यूपी में सबकुछ था। मजबूत श्रम बल, जरूरी संसाधन लेकिन राजनीतिक (शेष पृष्ठ-4 पर)

सरकार बताए अब तक कितने वादे पूरे किए : माता प्रसाद पांडेय

विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 पर बोलते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार 2047 को लेकर चर्चा कर रही है पर सरकार को ये भी बताना चाहिए कि 2017 में सत्ता में आने के बाद अब तक कितने वादे पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा के लिए समय भी बढ़ाया जाए। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। 2047 में युवाओं को नौकरी देने की बात की जा रही है तो क्या बुढ़ापे में नौकरी देंगे। सपा के अन्य नेताओं ने कहा कि हम किसानों पर बात करना चाहते हैं। नौजवानों पर बात करना चाहते हैं। सरकार अब तक रोजगार नहीं दे पाई है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

'हर घर तिरंगा यात्रा' को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास से प्रदेशव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान (13-15 अगस्त, 2025) का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का हर नागरिक अपने घर पर भारत की आन, बान, शान के प्रतीक तिरंगे को फहराकर इस आजादी के महापर्व का भागीदार बने।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास से तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्या के साथ सेल्फी खींचकर कार्यक्रम की शुरुआत की। तिरंगा यात्रा निकलने के पहले सीएम योगी ने बच्चों के साथ भी सेल्फी ली। इस कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम विशेष रूप से मौजूद रहे। सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस तिरंगा यात्रा में कई स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए।

बेटिंग ऐप केस में ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध ऑनलाइन बेटिंग ऐप '1xBet' से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ की। राजधानी दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे रैना से अधिकारियों ने उनके इस ऐप से व्यावसायिक और वित्तीय संबंधों पर सवाल-जवाब किए।

गौरतलब है कि दिसंबर 2024 में '1xBet' ने रैना को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। इस कदम ने खेल जगत और सोशल मीडिया में विवाद खड़ा कर दिया था, क्योंकि भारत में इस तरह के ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म प्रतिबंधित हैं। ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रैना की भूमिका सिर्फ विज्ञापन तक सीमित थी या इसके पीछे कोई वित्तीय लेन-देन भी हुआ, जो धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

इससे पहले, इसी मामले में ईडी बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह व युवराज सिंह से भी पूछताछ कर चुकी है। हालांकि, अब तक किसी भी सेलिब्रिटी पर औपचारिक आरोप तय नहीं हुए हैं।

भारत में पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 और राज्यीय कानूनों के तहत सट्टेबाजी अवैध है, सिवाय लॉटरी और घुड़दौड़ जैसे कुछ अपवादों के। ईडी का आरोप है कि विदेशी सर्वर से संचालित ये प्लेटफॉर्म भारतीय ग्राहकों से अरबों रुपये वसूलकर उन्हें बाहर भेजते हैं, जिससे न केवल टैक्स चोरी होती है बल्कि युवाओं में जुए की लत भी फैलती है।

रैना ने इस मामले पर अब तक कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि वे जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। ईडी की अगली कार्रवाई इस पूछताछ के नतीजों पर निर्भर करेगी।

स्कूली बस में मारी टक्कर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ओवरटेक करने के फेर में तेज गति में आ रही बस के चालक नहीं स्कूली बस में टक्कर मार दी। विरोध करने पर बस के चालक ने स्कूली बस चालक के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। ग्रेटर नोएडा हल्द्वानी निवासी कपिल शर्मा ने बताया कि उनका हल्द्वानी में पी डी मेमोरियल स्कूल है। उनके स्कूल की बस सुबह के समय स्कूली बच्चों को लेकर आ रही थी। हल्द्वानी के पास तेज गति में आ रही एक अन्य बस में ओवरटेक करते समय उनकी स्कूली बस में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बस के शीशे टूट गए और कुछ बच्चों को मामूली चोटे आई। स्कूल बस के चालक ने जब दूसरी बस चालक से सही तरीके से बस चलाने को कहा तो उसने मारपीट शुरू कर दी। मौके पर लोगों के इकट्ठा होता देखकर आरोपी बस चालक फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण बांटेगा ढाई लाख तिरंगा झंडा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण 'आजादी के अमृत महोत्सव' के उपलक्ष में स्वतंत्रता दिवस के लिए ढाई लाख तिरंगा झंडा नोएडा में बांटेगा। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री ने बताया कि इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण के सभी अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। बैठक में महाप्रबंधक सिविल एसपी सिंह, महाप्रबंधक जल एवं विद्युत यांत्रिकी आरपी सिंह, महाप्रबंधक सिविल अशोक कुमार अरोड़ा, विशेष कार्य अधिकारी देवेंद्र प्रताप तथा विभिन्न वर्क सर्किल के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक एवं

अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यह ढाई लाख झंडा नोएडा के सभी आरडब्ल्यूए फोनरवा तथा विभिन्न सरकारी विभागों एवं अन्य सामाजिक संगठनों तथा स्कूल कॉलेजों को दिए जाएंगे (शेष पृष्ठ-4 पर)

घर से बिना बताए चली गईं तीन किशोरियां

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से तीन किशोरिया अपने घर से बिना बताए चली गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना सेक्टर 58 क्षेत्र के सेक्टर 53 में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 7 अगस्त की शाम को उनके 17 वर्षीय से बेटी अपने भाई के साथ सेक्टर-61 के पार्क में घूमने आई थी यहां से वह बिना बताए कहीं

चली गई उनके बेटे व परिजनों ने किशोरी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना बीटा दो क्षेत्र के अल्फा 2 में रहने वाले महेश (काल्पनिक नाम) ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी (शेष पृष्ठ-4 पर)

जय हो संस्था के पांच सदस्य हुसैनीवाला के लिए रवाना

15 अगस्त को शहीदों की रज के साथ लौटेगी प्रेरणा यात्रा

दादरी (चेतना मंच)। 'जय हो' एक सामाजिक संस्था द्वारा देश की आजादी के महापर्व पर 15 अगस्त को निकाली जा रही ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा का आज आगाज हो गया। जिसके लिए संस्था के पांच सदस्यों को क्षेत्र के लोगों ने शहीद स्तंभ से पूरे उल्लास के साथ रवाना किया। इस दौरान सभी पांच सदस्य क्षेत्र के लोगों की मौजूदगी में शहीद स्तंभ और राजा राव उमराव सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर हुसैनीवाला के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर दादरी नगर की चेयरमैन गीता पंडित एवं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी द्वारा उन्हें तिरंगा सौंपकर रवाना किया।

'जय हो' एक सामाजिक संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

पेट्रोल पंप पर थार सवार बिगडैल युवकों का हंगामा, की तोड़फोड़

नोएडा (चेतना मंच)। थार व सियाज कार सवार बिगड़ैल युवकों ने सेक्टर-133 स्थित पेट्रोल पंप पर जमकर उत्पात मचाया। सेल्समैन द्वारा गाड़ी आगे बढ़ाने को कहने पर युवक आग बबूला हो गए और उन्होंने सेल्समैन के साथ न केवल मारपीट की बल्कि पेट्रोल पंप पर भी तोड़फोड़ की। पेट्रोल पंप के मैनेजर ने थाना सेक्टर-126 में कार सवार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-133 स्थित सिटी फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप के मैनेजर मनोज कुमार ने बताया कि 12 अगस्त को पेट्रोल पंप पर एक थार गाड़ी और सियाज कार से कुछ युवक पहुंचे। थार गाड़ी सवार युवकों ने पेट्रोल पंप की मशीन के पाइप पर गाड़ी का टायर चढ़ा दिया। इस पर सेल्समैन ने उन्हें गाड़ी आगे बढ़ाने को कहा तो वह वाद विवाद करने लगे। वाद विवाद के दौरान थार व सियाज कार से चार युवक उतरे और सेल्समेन से गाली गलौज शुरू कर दी। सेल्समैन ने जब इस बात का विरोध किया तो युवकों ने उसके साथ मारपीट की। युवकों ने मारपीट के दौरान पेट्रोल पंप पर रखी कुर्सियां और डस्टबिन भी तोड़ दी। मौके पर जब अन्य पंप कर्मी पहुंचे तो चारों युवक पेट्रोल पंप को बंद करने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

थाना प्रभारी ने बताया कि मैनेजर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मैनेजर द्वारा उपलब्ध कराए गए थार गाड़ी के नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

नोएडा में बकायेदार 35 बिल्डरों को नोटिस जारी

21 हजार फ्लैट बायर्स की अटकी हुई हैं रजिस्ट्री

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने बकाया वसूलने के लिए नोएडा के 35 बिल्डरों को नोटिस जारी किए है। ये नोटिस उन बिल्डरों को जारी किए गए जिन्होंने अमिताभ कांत आयोग की सिफारिश के तहत कुल बकाए का 25 प्रतिशत जमा किया। ये नोटिस बचे हुई 75 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए दिया गया है। इसमें 25-25 प्रतिशत की तीन किस्त है। जिसे प्रत्येक छह महीने में जमा करना होगा। प्राधिकरण की

एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि जैसे जैसे पैसा आता जाएगा रजिस्ट्री होती जाएंगी। फिलहाल दूसरी किस्त नहीं आने से करीब 21 हजार फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री रूकी है। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि नोटिस जारी होने (शेष पृष्ठ-3 पर)

30 हजार कुत्तों को शेल्टर में रखना नोएडा प्राधिकरण के लिए टेढ़ी खीर!

नोएडा (चेतना मंच)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में नोएडा शहर में घूम रहे तकरीबन 30000 आवारा कुत्तों को शेल्टर में रखना नोएडा प्राधिकरण के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। बता दें कि नोएडा में आवारा कुत्तों को रखने के लिए अभी तक सिर्फ एक शेल्टर ही चालू हो पाया है बाकी तीन अन्य शेल्टर प्रस्तावित है।

अमूमन एक शेल्टर में 100 से अधिक कुत्ते नहीं रह सकते हैं। इतने कुत्तों को रखने के लिए नोएडा में करीब 250-300 शेल्टर बनाने पड़ेंगे। इतने शेल्टर्स के निर्माण के अलावा कुत्तों को रखने तथा उनको

खिलाने पिलाने एवं उनकी दवा तथा स्टाफ के लिए नोएडा प्राधिकरण को हर महीने करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली तथा एनसीआर में आवारा कुत्तों को 8 हफ्ते के अंदर शेल्टर में रखने की निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का जगह-जगह काफी विरोध भी हो रहा है। समाजवादी पार्टी के अलावा शिवसेना (उद्धव ठाकरे), मेनका गांधी के अलावा जॉन इब्राहिम समेत कई फिल्मी हस्तियों ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध किया है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश व्यवहारिक नहीं है।

इधर नोएडा में भी विभिन्न एनजीओ तथा डॉग लवर्स ने सुप्रीम कोर्ट की इस आदेश की कड़ी निंदा की है उनका कहना है कि इतने कुत्तों को रखने के लिए हर महीने करोड़ों रुपए का खर्च करना ना तो संभव है ना नोएडा प्रकरण के लिए इतनी अधिक केंद्र बनाना फिलहाल संभव दिख रहा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

हथियार दिखाकर लूटी बाइक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र के परी चौक के पास एक बदमाश ने हथियार के बल पर युवक से बाइक लूट ली और फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सूरजपुर के वृंदावन कॉलोनी में रहने वाले प्रमोद कुमार ने बताया कि 1 अगस्त की सुबह वह अपनी बाइक से ऑफिस के लिए जा रहा था। परी चौक से थोड़ा आगे निकलते ही एक व्यक्ति ने उसे रोकने का इशारा किया। उसने जैसे ही बाइक रोकी तो उक्त व्यक्ति ने उस पर हथियार तान दिया और मोटरसाइकिल से उतरने पर मजबूर कर दिया इसके बाद उक्त (शेष पृष्ठ-4 पर)

योजना से मोहभंग

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित, दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के लिये एक बड़ा झटका है कि हरियाणा के छह सौ से अधिक निजी अस्पतालों के मालिकों ने इस योजना से किनारा करने का मन बनाया है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों का मोहभंग होना सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चिंता की बात ही कही जा सकती है। अस्पतालों की दलील है कि उन्हें पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निश्चय ही राजग सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक खामियां ही उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना में गंभीर रोगों का उपचार कराने वाले लोगों के प्रत्येक परिवार के लिये पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का वायदा किया गया था। लेकिन अकसर निजी अस्पतालों की ओर से आरोप लगाया जाता रहा है कि इस योजना के तहत उपचार कराने वाले मरीजों के बिल का भुगतान कभी समय पर नहीं किया जाता है। निश्चय ही कोई योजना तब तक प्रभावी नहीं कही जा सकती, जब तक वह केवल कागजों तक ही सीमित रहती है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्डधारकों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं बंद हो जाएंगी। इस स्थिति में उन मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जो गरीबी के चलते महंगे इलाज करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में उन्हें अपना या अपने परिजनों का कारगर इलाज करने में लंबे विलंब का सामना करना पड़ेगा। जाहिर बात है कि आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने से मरीजों को मजबूरी में संसाधन विहीन सरकारी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ सकता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पताल पहले ही मरीजों के भारी दबाव को झेल रहे हैं और कई अस्पतालों में पर्याप्त व विशेषज्ञ चिकित्सकों का नितांत अभाव है। वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाओं की कमी अकसर बनी रहती है। वैसे सरकार की कल्याणकारी मंशा पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन समय पर योजना के लिये धन उपलब्ध न करा पाने की स्थिति निराशाजनक और नुकसान पहुंचाने वाली साबित हो सकती है। निस्संदेह, जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीज नौकरशाही की अड़चनों के कम होने का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही गरीबी से जूझ रहे रोगी निजी अस्पतालों में उपचार नहीं करा सकते क्योंकि अधिक परिचालन लागत वाले अस्पताल बिना भुगतान के सेवाएं देने में असमर्थ हैं। निस्संदेह, यह संकट एक व्यापक मुद्दे की ओर इशारा करता है कि जन कल्याणकारी योजनाओं को बनाते वक्त सावधानी, व्यावहारिक बजट और उसका कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन करना जरूरी है। ऐसे में समय पर धन आवंटन, नियमित ऑडिट और अस्पतालों व मरीजों के लिये एक शिकायत निवारण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिये मजबूत तंत्र बनाया जाना चाहिए। इसके लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के लिये अपने बजट में वृद्धि करनी चाहिए। यदि जीडीपी का सिर्फ दो फीसदी स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च किया जाता रहा तो महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं हकीकत में लड़खड़ाती रहेंगी।

शोकेस डिप्लोमेसी में नहीं फंसते मोदी, भारत हुआ मजबूत

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच, भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक सूझबूझ एक बार फिर वैश्विक सुर्खियों में है। दरअसल गत सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा इस सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की से अलग-अलग वार्ताएं कीं और यह सब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की अलास्का में होने वाली बैठक से ठीक पहले हुआ। मोदी-पुतिन बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव चरम पर था। ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत और फिर 50 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की थी, साथ ही भारत-रूस ऊर्जा और रक्षा सौदों की वह खुली आलोचना कर रहे थे।

पुतिन से फोन पर बातचीत में मोदी ने न केवल यूक्रेन युद्ध पर नवीनतम स्थिति जानी, बल्कि दोनों देशों के 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा-तकनीकी सहयोग, नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग तक पर चर्चा हुई। इस वार्ता के जरिये भारत ने अमेरिका को साफ संदेश दिया कि ऊर्जा स्रोतों का चयन बाज़ार और वैश्विक परिस्थितियों के आधार पर होता है और रक्षा सौदे राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं से तय होते हैं। यह मोदी की उस कूटनीति का उदाहरण है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हैं।

वहीं जेलेंस्की से वार्ता में मोदी ने भारत के 'स्थिर और निरंतर' रुख को दोहराया कि युद्ध का समाधान केवल राजनीतिक और कूटनीतिक मार्ग से ही संभव है। दूसरी ओर, जेलेंस्की ने रूस के ऊर्जा निर्यात, खासकर तेल को सीमित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि युद्ध के लिए उसकी वित्तीय क्षमता घटे। यूक्रेन की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा

(UNGA) सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में जेलेंस्की से व्यक्तिगत मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि भारत ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हम आपको बता दें कि भारत, चीन की तरह, अब तक रूस की आलोचना से बचा है और मानता है कि किसी भी शांति पहल में दोनों पक्षों को शामिल करना ज़रूरी है। यह संतुलन बनाए रखना, मोदी की कूटनीति की खासियत है। मोदी की कूटनीति है- न तो रूस से रिश्ते कमजोर करना, न ही यूक्रेन को पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना। यह स्थिति निश्चित रूप से यह संकेत देती है कि रूस और यूक्रेन, दोनों ही भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जिनके पास संवाद और मध्यस्थता की क्षमता है, भले ही भारत औपचारिक रूप से 'मध्यस्थ' की भूमिका में न हो।

हम आपको बता दें कि भारत ने शुरू से ही रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक संतुलित रुख अपनाया है, न तो रूस की निंदा की है और न ही युद्ध को वैध ठहराया है। इस कारण, नई दिल्ली दोनों पक्षों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाए रखने में सफल रही है। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से अलग-अलग फोन पर बात करना यह दर्शाता है कि वह अपनी-अपनी स्थिति भारत के सामने स्पष्ट करना चाहते हैं, ताकि अलास्का में ट्रंप-पुतिन मुलाकात से पहले भारत का दृष्टिकोण और समर्थन उन्हें मिले।

मोदी की कूटनीति की खासियत है कि वे 'सभी से मित्रता, किसी पर निर्भरता नहीं' के सिद्धांत पर चलते हैं। भारत की ऊर्जा ज़रूरतें रूस से जुड़ी हैं, जबकि पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ भी भारत के रणनीतिक और आर्थिक हित हैं। ऐसे में, भारत किसी भी एक खेमे में जाने की बजाय 'विश्वसनीय संवादकर्ता' की भूमिका निभा सकता है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अक्सर ऐसे 'विश्वसनीय, तटस्थ और सम्मानित' नेताओं की ज़रूरत होती है जो विवादित पक्षों से बिना पूर्वाग्रह के बात कर सकें। पुतिन और जेलेंस्की का मोदी से संपर्क यही दर्शाता है कि भारत को वह ऐसे ही नेता के रूप में देखते हैं। देखा जाये तो भले ही भारत सार्वजनिक रूप से मध्यस्थता का दावा न करे, लेकिन यह स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर विशेषकर रूस-यूक्रेन संकट में भारत की 'शांत कूटनीति' को गंभीरता से लिया जा रहा है। यह मोदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और भारत की बढ़ती कूटनीतिक ताकत का प्रमाण है।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हाल के महीनों में खुद को 'वैश्विक शांति निर्माता' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं— चाहे आर्मेनिया-अज़रबैजान समझौता हो या पुतिन-जेलेंस्की की संभावित मुलाकात। जून महीने में ट्रंप ने मोदी से भी अनुरोध किया था कि वह कनाडा से लौटते समय अमेरिका में ठहरें। यह निमंत्रण पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस यात्रा के एक दिन पहले दिया गया था।

भारतीय कूटनीतिक हलकों को आशंका थी कि ट्रंप, मोदी और मुनीर को एक ही फ्रेम में लाने की कोशिश करेंगे, जिससे भारत-पाकिस्तान को एक साथ जोड़ने का गलत संदेश जाएगा। इसलिए मोदी ने ट्रंप के निमंत्रण को विनम्रता से ठुकरा दिया था।

बहरहाल, पुतिन और जेलेंस्की से मोदी की वार्ताएं और ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने का निर्णय, दर्शाते हैं कि भारत आज बहुपक्षीय कूटनीति का कुशल खिलाड़ी है। मोदी की शैली न तो तात्कालिक दबाव में झुकती है और न ही अवसरवादी 'शोकेस डिप्लोमेसी' में फंसती है। इसकी बजाय, वह भारत को एक ऐसे जिम्मेदार और संतुलित शक्ति केंद्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो युद्ध और शांति, दोनों में अपनी स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक शताब्दी पुराना एक ऐसा संगठन है जिसे देश सेवा, आपात स्थितियों में नागरिक-सहायता और सांस्कृतिक उत्थान के अगुआ के रूप में भारत क्या, विश्व के नागरिक जानते हैं। राष्ट्रीय का अर्थ हुआ जिसकी सीमा संपूर्ण राष्ट्र हो; लेकिन वास्तव में ये संगठन विश्व पटल पर अपने सेवा कार्य के कारण जाना जाता है। स्वयं सेवक का अर्थ हुआ जो बिना किसी अपेक्षा या लाभ के सेवा करता है जैसे कि संगठन में कुछ लोग अपना पूरा जीवन समर्पित करने आते हैं तो कुछ अपनी व्यस्त जीवन शैली में से कुछ समय सेवा कार्य में देते हैं जिसे Pay back to society कह सकते हैं। संघ शब्द का अर्थ हुआ सभा। इस प्रकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का अर्थ हुआ हमारे राष्ट्र की जातीय अस्मिता की पहचान या उत्थान और सनातन धर्म की अंतरराष्ट्रीय पहचान/महत्व के लिए काम करने वाला संगठन। अपनी स्थापना की पिछली एक शती में आरएसएस ने कहीं दुर्गम पहाड़ों में रहकर धर्मांतरण से भोले मूल निवासियों को बचाया...तो कहीं दंगों में जनता की रक्षा की, ...बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए, ...कहीं तूफान में फंसे लोगों तक चिकित्सा और भोजन पहुंचाया। इसी तारतम्य में शताब्दी वर्ष में संगठन ने पंच परिवर्तन से 'हर गाँव, हर बस्ती, हर घर' तक जन के गुणवत्तापूर्ण जीवन पर काम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ये पंच परिवर्तन हैं -

स्व धारित जीवन शैली:

अपनी स्कूली किताबों में हम स्वाधीनता और इंडिपेंडेंस का अंतर पढ़ते थे। इंडिपेंडेंट वो जिस पर किसी का नियंत्रण न हो, स्वाधीन वो जो स्वयं के अधीन हो। यही 'स्वयं के अधीन' स्व धारित जीवन शैली का मूल है। वास्तव में भारतीय जीवन शैली स्वयं के अधीन जीवन शैली है। एक गाँव की कल्पना कीजिए जहाँ मिट्टी के बर्तन बनाने वाला कुम्हार है, जूते बनाने वाला मोची है, बाँस के सूप और टोकरियाँ बनाने वाला बाँसोर है, विभिन्न अन्न बेचने वाला किसान और उन्हें पीसने को चक्की वाला है। एक आत्म निर्भर संरचना जो बाहर से खरीदने को कम-कम निर्भर है। जहाँ बच्चों को अकादमिक शिक्षा के अलावा हुनर सीखने के भी अवसर हैं। आप स्वयं ही सोचिए, Nine to five जॉब के योग्य बनने के लिए ही तो अंकों की इतनी प्रतिस्पर्धा है बच्चों में। रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाना ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी लक्ष्य है, पंच परिवर्तन का भी। स्थानीय कुटीर उद्योगों का तंत्र जब अपने होने में सफल होता है ...तो न सिर्फ पलायन रुकता है ...बल्कि स्थानीय बोलियाँ भी मरने से बच जाती हैं ...और बच जाते हैं वे बच्चे भी जो किताबी पढ़ाई में असफलता के कारण सैकड़ों की संख्या में हर वर्ष आत्महत्या कर लेते हैं ! जिसे 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' कहा जाता है, उसी को जन के जीवन में उतारना यहाँ लक्ष्य है। एक प्रसंग याद आता है। ब्रिटेन में रहने वाली मेरी एक सहेली ने एक बार मुझे कुछ चित्र भेजे। उसके पति को वहाँ की नागरिकता मिल गई थी; और दंपति बेहद प्रसन्न थे। चित्र में दिख रहा था कि वे महाशय घुटनों पर झुककर ब्रिटेन की महारानी के फोटो के सामने शपथ ले चुके थे कि वे उनके प्रति वफादार रहेंगे। इसके बाद घुटनों पर झुके उस भारतीय को एक ब्रिटिश अधिकारी ने नागरिकता का कागज दिया। ...चित्र देख, मैं दुख से सोचती हूँ, उस प्रतिभाशाली नौजवान के लिए अपने देश में, स्वदेश में क्या कम अवसर रहे होंगे रोजगार के? व्यापार के? मुझे गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' की कविता याद आती है,

जिसकी मिट्टी में उगे बढ़े,
पाया जिसमें दाना-पानी।
है माता-पिता बंधु जिसमें,
हम हैं जिसके राजा-रानी॥
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं॥

पर्यावरण संरक्षण

माता भूमि: पुत्रो अहं पृथिव्या:

(भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ।) मानने वाला यह देश सदा ही अपनी नदियों, वनों और पहाड़ों को पूजता रहा है। आज पर्यावरण के जिस वैश्विक संकट से संसार पीड़ित है, उसका हल भी यही जीवन शैली पुन: अपनाना है जिसमें हम विश्व प्रकृति से अपनी आवश्यकतानुसार न्यूनतम लेते हैं और बदले में अपनी कृतज्ञता भी ज्ञापित करते हैं, पेड़ लगाकर, उनका संरक्षण कर, नदियों को स्वच्छ रखकर और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाकर। मैं अपने विद्यार्थियों से कभी कक्षा में पूछती हूँ, आप प्रकृति से सब कुछ लेते हैं; कभी सोचा है पलटकर देते क्या है? क्या आप पढ़े लिखे मोनस्टर हैं जो जीवन भर नेचर मदर को लूटने के लिए जन्मे हैं? ...बात कुल इतनी-सी है कि अपने आप को धरती की, प्रकृति की संतान मानते ही जीवन दृष्टि ही बदल जाती है। तब पेड़, जंगल, नदी, पहाड़ और पशु-पक्षी हमारे सहोदर और सहोदरायें बन जाते हैं। एक विराट कुटुंब के सदस्य होकर हम अपना भी, और दूसरों का भी जीवन श्रेष्ठ बनाते हैं। प्रसन्न, स्वस्थ और दीर्घायु होने का रहस्य भी यही है।

सामाजिक समरसता

भिन्नता ही योग्यता है। और इस भिन्नता का सम्मान सदैव हमारी संस्कृति में रहा है। वास्तव में दूसरे की भिन्नता यानि 'अलग होने' को स्वीकार करने से ही समाज में सौहार्द, शांति और समन्वय संभव है। यहाँ समानता और समरसता की अवधारणाओं के अंतर को समझना आवश्यक है। समानता की अवधारणा कहती है कि सभी को समान अवसर और संसाधन हों। समरसता कहती है कि लोग की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अवसर और संसाधन हों। समरसता हमारे देश की परिस्थितियों में बहुत व्यवहारिक आवश्यकता है। सीता त्रिजटा को माता कहती हैं तो यह समरसता है। ...राम शबरी के झूठे बेर खाते हैं, यह समरसता है। ...कोल-किरात राम का साथ पाते हैं, तो यह समरसता है। समरस शब्द का तिब्बती में अर्थ होता है 'रोग्यांग' जिसका अर्थ होता है -एक समान स्वाद। जैसे परिवार में सब विशिष्ट और भिन्न होते हुए भी एक हैं; ऐसे ही समाज में सब एक-दूसरे के लिए सम-रस रहें, इसकी आज के इस समय में और सदैव ही नितांत आवश्यकता है।

कुटुंब प्रबोधन

एक संस्कार से अपनी बात शुरू करना चाहूँगी। पुंसवन संस्कार स्वस्थ संतान की प्राप्ति की कामना है और गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह संस्कार, यह व्यवस्था समाज को और देश को श्रेष्ठ और प्रतिभाशाली नागरिक देने के लिए है। माँ के आचारङ्कविचार का प्रभाव होने वाले शिशु पर पड़ता है। शिशु परिवार का हिस्सा बनता है। परिवार कुटुंब का हिस्सा है और कुटुंब समाज का अत: एक-एक शिशु को संस्कारित करने की आवश्यकता है। सोचिये, जब गर्भस्थ शिशु पर माँ के आचार-विचार का प्रभाव पड़ने की इतनी चिंता हमारे पूर्वजों को रही थी, तो जन्म लेने के बाद पूरी परवरिश का कितना महत्व है !! बच्चा अपने परिवार से जो सीखता है, वही बर्ताव वह समाज में करता है। ...आज हम सड़कों पर इतने विक्षिप्तों को देखते हैं, ...परिवारों में होने वाले अपराधों में बार-बार 'साइको' शब्द सुनाई देता है, ...समाज में कितने ही लोग आत्महत्या कर लेते हैं और कोई उनकी पीढ़ा समझ भी नहीं पाता। इन सब सामाजिक समस्याओं के मूल में परिवार नाम इकाई की टूटन है। माइक्रो परिवारों के इस दौर में माता-पिता दोनों व्यस्त हैं, कुछ काम में, कुछ अपने मोबाइल में; और बच्चों को बताने वाला कोई नहीं कि हमारी बोली, संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाज, पुरखे और मान्यतायें क्या हैं।

नागरिक कर्तव्य

किस देश को इसकी आवश्यकता नहीं?? नियम तो बहुत हैं जो सरकार ने बनाए हैं, कानून ने बनाए हैं, समाज ने अपने सहज लोक बोध से बनाए हैं लेकिन उनका पालन कितने नागरिक करते हैं? कितने लोगों में नागरिक बोध है? मतदान हमारा अत्यंत आवश्यक कर्तव्य हैं लेकिन कितने अधिक नागरिक यह कर्तव्य नहीं निभाते हैं यह चुनाव के बाद, आँकड़ों से पता चलता है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है ... पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है ... स्वच्छता बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। ऐसे न जाने कितने ही कर्तव्य हैं जिन्हें हम जानते तो हैं लेकिन मानते नहीं। एक उदाहरण बताती हूँ। हाईवे पर मैं सदा ही देखती हूँ कि जो कट पॉइंट बने होते हैं, वहाँ लोग आम तौर पर ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते। कई एक दुपहिया चालक ऐसे होते हैं जिनके वाहन में न तो साइड-व्यू मिरर होते हैं और न ही सिर पर हेलमेट। तीन से लेकर पाँच और छह तक सवारियाँ एक दुपहिया पर दिखना आम है। इससे दुर्घटनायें होती हैं और सैकड़ों-हजारों मनुष्यों की अकाल मृत्यु होती है; फिर भी बहुत लोगों में नागरिक बोध नहीं जागता। वे नागरिक कर्तव्य जिन्हें हम पहले से जानते हैं लेकिन निभाते नहीं, उन्हीं पर काम करने की आवश्यकता है।

- डॉ. इंदिरा दाँगी

(लेखिका एक शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य हैं।)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (वह सोचने लगी कि) यहाँ और वहाँ मैंने दो बालक देखे। यह मेरी बुद्धि का भ्रम है या और कोई विशेष कारण है? प्रभु श्री रामचन्द्रजी माता को घबड़ाई हुई देखकर मधुर मुस्कान से हँस दिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- देखरावा मातहि निज अद्भुत रूप अखंड।
रोम रोम प्रति लागे कोटि कोटि ब्रह्मंड॥

फिर उन्होंने माता को अपना अखंड अद्भुत रूप दिखलाया, जिसके एक-एक रोम में करोड़ों ब्रह्माण्ड लगे हुए हैं॥

अगनित रबि ससि सिव चतुरानन। बहु गिरि सरित सिंधु महि कानन॥

काल कर्म गुन ग्यान सुभाऊ। सोउ देखा जो सुना न काऊ॥

अगणित सूर्य, चन्द्रमा, शिव, ब्रह्मा, बहुत से पर्वत, नदियाँ, समुद्र, पृथ्वी, वन, काल, कर्म, गुण, ज्ञान और स्वभाव देखे और वे पदार्थ भी देखे जो कभी सुने भी न थे॥

देखी माया सब बिधि गाढ़ी। अति सभीत जोरें कर ठाढ़ी॥

देखा जीव नचावइ जाही। देखी भगति जो छोरइ ताही॥

सब प्रकार से बलवती माया को देखा कि वह (भगवान के सामने) अत्यन्त भयभीत हाथ जोड़े खड़ी है। जीव को देखा, जिसे वह माया नचाती है और (फिर) भक्ति को देखा, जो उस जीव को (माया से) छुड़ा देती है॥ (क्रमश:...)

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कहीं से भी रुपए-पैसे निकालने में, जहां दिए हैं वहां से लेने में मुश्किल होगी। यात्रा में कष्ट संभव है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति थोड़ी सी मध्यम रहेगी। कोर्ट-कचहरी में असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ेगा

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मान-सम्मान पर ठेस पहुंच सकती है। यात्रा कष्टकारी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम-संतान ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के साथ कोई पंगेबाजी न करें। स्वास्थ्य मध्यम। दें। प्रेम, संतान मध्यम है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी मध्यम रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन परेशानी बनी रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
विद्यार्थियों के लिए मध्यम समय, प्रेम के लिए मध्यम समय। संतान के लिए मध्यम समय।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
घरेलू चीजों को देख-सुन करके करें। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक ठाक है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति मध्यम होगा। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन हानि के संकेत हैं। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

शारदा विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग वीक का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग वीक का शुभारंभ। इसमें छात्रों को रैगिंग खिलाफ जागरूक किया गया और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी कराई गई। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक करना है। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। जिसमें छात्रों को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डीन डॉ हेमंत साहनी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि वास्तव में रैगिंग क्या है। यह एक आपराधिक अपराध क्यों है और इसके लिए किसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकता है। उन्होंने सीनियर्स को समझाया कि हालांकि ये नियम जूनियर्स की सुरक्षा के लिए हैं। लेकिन इनका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे किसी का करियर बर्बाद हो सकता है। उन्होंने बताया कि रैगिंग माने जाने वाले व्यवहार को छात्रों को संक्षेप में समझाया गया और हेल्पलाइन नंबर और वेबसाइट प्रदान करके कुछ परिणामों पर काबू पाने के बारे में बताया गया। इस दौरान एंटी रैगिंग थीम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगता कराई गई। इस आयोजन में भाग लेकर, छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों से रैगिंग के उन्मूलन के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करने और सहपाठियों के बीच सम्मान, गरिमा और आपसी समझ की संस्कृति को बढ़ावा देने के उपाय सुझाने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान डॉ. सुखदीप सिंह, डॉ विद्या देवी चंदावरकर, डॉ मिथिलेश मिश्रा, डॉ नेहा अवस्थी, डॉ यानिना सिंह, डॉ. सृष्टि ठाकुर समेत विभिन्न विभागों एचओडी मौजूद रहे।

आईआईए ग्रेटर नोएडा के उद्यमियों ने सीखे साइबर क्राइम से बचाव के उपाय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर के कार्यालय, सीएफसी, साइट-बी के सभाकक्ष में पूर्वाह्न 10:30 बजे 'मंथन गोष्ठी' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री प्रीति यादव, डीसीपी, साइबर क्राइम, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर पधारीं।

चैप्टर चेयरमैन सरबजीत सिंह, सचिव हिमांशु पांडे तथा कोषाध्यक्ष जगदीश अधाना ने पौधा प्लांटर भेंटकर उनका स्वागत किया।

गोष्ठी की शुरुआत में सुश्री प्रीति यादव ने उपस्थित जनों से पूछा कि वे साइबर क्राइम के बारे में कितना जानते हैं। इसके उत्तर में कई सदस्यों व भुक्तभोगियों ने अपने अनुभव साझा किए। इसके उपरांत उन्होंने लगभग 40 मिनट तक साइबर अपराध के विभिन्न पहलुओं, बचाव के तरीकों और सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की।

अंत में आईआईए टीम ने स्मृति चिह्न स्वरूप रामलला की प्रतिमूर्ति भेंट की। सचिव हिमांशु पांडे ने सभी प्रतिभागियों और विशेष रूप से सुश्री प्रीति यादव का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय गान के साथ गोष्ठी का समापन हुआ। कार्यक्रम में 50 से अधिक उद्यमियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

भाजपा जिला कमेटी की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर एवं कार्यक्रम स्थल रेड कारपेट होटल ग्रेटर नोएडा नियर ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के सामने आयोजित की गई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए ज़िलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश की बैठक संगठन के आगामी कार्यक्रमों अभियानों को लेकर आयोजित होगी उन्होंने बताया कि गौतमबुद्धनगर भाजपा संगठन के लिये एक महत्वपूर्ण गौरव की बात है बैठक में पश्चिम उत्तर प्रदेश सर्व प्रथम सुबह 10 बजे से अतिथियों का स्वागत पंजीकरण नाश्ता आदि कार्यक्रम और उसके बाद 11 बजे से बैठक शुरू होगी बैठक दोपहर दो बजे तक चलेगी उसके लिए कार्यकर्ताओं को काम करने के लिये कार्य योजना तैयार कर काम की जिम्मेदारी सौंपी गई है क्षेत्रीय कार्य समिति बैठक कार्यक्रम जिला गौतमबुद्धनगर भव्य रूप में संपन्न होगा उसकी पूर्ण तैयारी की गई हैं । बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर राहुल पंडित दीपक नागर वीरेन्द्र भाटी जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य जिला मंत्री अमित पंडित सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अरुण प्रधान किसान मोर्चा ज़िलाध्यक्ष विमल पुंडीर मनोज भाटी ऋषभ शर्मा महेश शर्मा और अनुसूचित मोर्चा ज़िलाध्यक्ष सचिन गौतम जितेन्द्र भाटी मंगेश सिंह रजनी तोमर मनोज भाटी संगीता रावल वरुण शर्मा उमेश भाटी मनोज प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने निकाली 14 मंडलों में पदयात्रा

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में जनपद के बचे 14 मंडलों में पदयात्रा करते हुए तिरंगा यात्रा निकालकर हमारे देश के शहीद हुए नौजवान भाई क्रांतिकारी जो बलिदान हो गए सहीद होगये देश के लिए ऐसे अमर सपूतों के लिए एक सच्ची श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उन्हें याद किया गया जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा आने वाले तीन दिन 13.14.15.हर घर तिरंगा हर घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा इसके लिए पार्टी के द्वारा दिशा निर्देशित किया गया है इस कार्यक्रम को पार्टी बड़े ही गंभीरता पूर्वक लेकर चल रही है राष्ट्र के सम्मान के लिए मजबूती के लिए कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा भारत हमेशा एक अच्छी दिशा में काम किया है विगत कुछ दिनों पहले विपक्ष के लोग यहां पर तानाशाही किया था कार्य प्रणाली में देश को कमजोर किया जो बहुत ही अशोभनीय रहा इसका उल्लेख करते हुए दिपक मिश्रा ने इस तिरंगा यात्रा का सराहना कीया और राष्ट्र को समर्पित करते हुए पूरे जनपद में तिरंगा यात्रा 16 मंडलों में पदयात्रा के माध्यम से सफल करते हुए राष्ट्र को संदेश दिया आज

संपन्न हुए तिरंगा यात्रा इस मंडल में रहा भदोही ग्रामीण मंडल चोरी मंडल सुरियावा मंडल पाली मंडल जगन्नाथपुर मंडल डीघ मंडल सेमराध नाथ मंडल गोपीगंज मंडल ज्ञानपुर मंडल औराई मंडल ममहर मंडल ऐसे विभिन्न मंडलों में जो बचे थे आज वह कार्य पूर्ण किया गया तिरंगा के माध्यम से वहीं पर सभी कार्यकर्ताओं में मां भारती और अमर बलिदानी बिर शहीदों का उद्घोष किया गया पूरे जनपद में मां भारती का उद्घोष किया गया नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूध त्रिपाठी औराई ब्लॉक प्रमुख विकास मिश्रा विनय चौरसिया नागेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष संजय सरोज संजय सिंह राकेश सिंह शिवलाल मोर अशोक सिंह स्वरूप बिना दीपक तिवारी दीपक तिवारी अशोक पाठक राकेश तिवारी और पप्पू अनिल राय मुन्ना गोवर्धन राय अखिलेश सिंह बघेल चिंटू सुनील मिश्रा मनीष पांडेय दीपक सिंह अश्वनी अग्रवाल हरिओम सिंह अशोक मौर्य चंद्रशेखर सिंह विश्व दीपेश राजेंद्र पाल बघेल लाल बड़ी मिश्रा धर्मराज पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने निकाली 6 मंडलों में तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी जिला गौतमबुद्धनगर के कार्यकर्ताओं ने 6 मंडलों में हर घर तिरंगा यात्रा निकाली और स्वच्छता अभियान चलाया जिसमे सूरजपुर मंडल में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा तिरंगा यात्रा जिला संयोजक धर्मेन्द्र कोरी दादरी देहात मंडल जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी जेवर मंडल पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी कासना मंडल वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष भाटी ग्रेटर नोएडा मंडल पर अभिषेक शर्मा दीपक भारद्वाज रबूपुरा मंडल नगर पंचायत अध्यक्ष शशांक ठाकुर रहे ।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने तिरंगा यात्रा पर कहा कि भाजपा पूरे देश में तिरंगा यात्रा और स्वच्छता अभियान चला रही है तिरंगा यात्रा अभियान आयोजन से जन जन में देश भक्ति की भावना जागृत होगी और देश की एकता को मजबूती मिलेगी ।

भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश पर कहा कि यह यात्रा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और जन-जन में देशभक्ति की भावना जगाने का संकल्प है। उन्होंने कहा परिवार के बच्चों के साथ देश के महापर्व पर आइए, हम सभी मिलकर अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के सम्मान और गर्व को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

तिरंगा यात्रा पर मुख्य रूप से सुभाष भाटी जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी सतेन्द्र नागर सुनील भाटी राहुल पंडित वीरेन्द्र भाटी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा अमित पंडित गुरुदेव भाटी रजनी तोमर रवि जिन्दल केडी गुर्जर अरुण प्रधान मंडलाध्यक्ष अर्पित तिवारी मनोज भाटी संजय भाटी दिनेश भाटी सुनील सिंह मनोज प्रधान विकास कुमार राजेश ठेकेदार ऋषभ शर्मा विजय कसाना पंकज रावल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपाईयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हर घर तिंरगा यात्रा अभियान को लेकर कल सेक्टर-137 से भाजपाईयों ने तिरंगा यात्रा निकाली।इस अवसर पर भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष कपिल भाटी, मंडल उपाध्यक्ष सुनील शर्मा , मंडल महामंत्री। मुकेश दीक्षित, मंडल महामंत्री रवि श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे। यात्रा का शुभाराम दुर्गा पूजा पंडाल से लेकर महात्मा गांधी प्रतिमा गोल चक्कर तक किया गया।

सहारा मीडिया में कर्मचारियों के धरने का 27वां दिन

नोएडा (चेतना मंच)। सहारा प्रबंधन कर्मचारियों के धरने को खत्म कराने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने में जुटा है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रबंधन ने जिला प्रशासन को पूरी तरह हाइजैक कर लिया है। तमाम जगह शिकायत करने के बावजूद प्रबंधन का बाल भी बांका नहीं हो रहा है।

बीते करीब एक माह से सहारा कॉम्प्लेक्स में सेक्टर-24 थाना की पुलिस तैनात है इसके बावजूद सहारा प्रबंधन को इसकी परवाह नहीं, धरना समाप्त करवाने के लिए हर दिन नए नए हथकंडे अपनाए जा रहे है।

धरनारत कर्मचारियों ने बताया कि मुख्य गेट को बंद करने को लेकर कर्मचारियों और गार्ड के बीच काफी तनाव हो गया। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी

जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल नोएडा कॉम्प्लेक्स पहुंची। थाने की चार पांच-गाड़ियां कैंपस पहुंची जिसमें महिला पुलिसकर्मी समेत काफी शोर-शराबे के बाद मामला शांत हुआ।

कर्मचारियों का कहना है प्रबंधन धरना समाप्त कराने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। परिसर में किसी भी तरह का गैर कानूनी काम कर प्रबंधन कर्मचारियों को बदनाम करने की कोशिश कर सकता है।

कर्मचारियों ने आशंका जताई है कि आगामी 15, 16, 17 अगस्त की छुट्टियों में सहारा प्रबंधन धरना समाप्त करने के लिए कोई भी हथकंडा अपनाने की जुगत में लग गया है।

कर्मचारियों की सैलरी की मांग पर लेबर कमिश्नर की तरफ से चार महीने का रिकवरी चालान (आरसी) काटा जा चुका है जिसको लेकर जिला प्रशासन की तरफ से प्रबंधन को नोटिस भी दिया जा चुका है लेकिन सहारा प्रबंधन को सैलरी देने की कतई चिंता नहीं, उल्टे प्रबंधन ने लेबर कमिश्नर से शिकायत करने वाले सभी 126 लोगों की सैलरी रोककर बता दिया कि उसे ऐसी नोटिसों की कोई परवाह नहीं।

संबंध-विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं इन्द्र सिंह , पुत्र श्री जसराम, हरविन्द्र पत्नी इन्द्र सिंह, निवासी-मोहल्ला मैना ठाकुरान, रबुपुरा, थाना-रबुपुरा जिला गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र रोहित मीणा आए दिन मेरे साथ अभद्र व्यवहार व अभद्र भाषा का प्रयोग करता है। मेरे कहे अनुसार नहीं चलता है। हमने अपने पुत्र रोहित मीणा को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन रोहित मीणा समझने को तैयार नहीं है । रोहित मीणा के इन कृतियों से दुखी होकर हम अपने पुत्र रोहित मीणा से संबंध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहे हैं। आज के बाद अगर रोहित मीणा किसी से लेन-देन करता है या उसके किसी भी कृत्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। मैं और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कांग्रेस के युवा नेताओं ने दिल्ली तक किया मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला के नेतृत्व में जिला गौतमबुद्धनगर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष जावेद खान/ प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन ने कार्यकर्ता के साथ दिल्ली में जंतर मंतर तक मार्च किया।

उन्होंने वोट चोरी के आरोप के चलते कार्रवाई की मांग को लेकर यूथ कांग्रेस मुख्यालय से दिल्ली स्थित जंतर मंतर तक मार्च निकल रहे हजारों युवा कांग्रेस के साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाते हुए कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए। अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए थे। जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला, प्रदेश महासचिव शहाबुद्दीन, युवा कांग्रेस गौतमबुधनगर जिला अध्यक्ष जावेद खान, नोएडा विधानसभा यूथ कांग्रेस अध्यक्ष नीरज अवाना, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिला महासचिव पंडित श्यामसुंदर दीक्षित, मोहम्मद चांद, एन के ठाकुर, कल्पना, करीना, खुशबू, जीशान चौधरी, अनीश , कामरान खान, प्रेम शाह, विक्की, सनी, मोनू पंडित, सलमान व अन्य लोग मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों पर बदमाश ने कराई जमानत, जमानती की आई शामत

उपनिरीक्षक, लेखपाल सहित कई लोगों पर एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक बदमाश ने न्यायालय से अपनी जमानत करा ली। जमानत पर बाहर आने के बाद बदमाश फरार हो गया। पुलिस बदमाश की तलाश में जब जमानती के घर पहुंची तो वह हक्का-बक्का रह गया। पीड़ित ने बताया कि उसने तथा उसके भाई ने किसी की भी जमानत नहीं दी है लेकिन पुलिस ने उसकी बातों पर यकीन नहीं किया। मामले से घबरा पीड़ित ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई इस मामले में बुलंदशहर में उप निरीक्षक, लेखपाल सहित चार नामजद तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में जगदीश ने बताया कि वह कुलेसरा में रहकर प्राइवेट नौकरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है। वर्ष 2023 के सितंबर माह में उसके स्थाई पते गांव दरियापुर (बुलंदशहर) में नोएडा के थाना सेक्टर-58 कोतवाली पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस ने उसके परिजनों को बताया कि जगदीश उसके बड़े भाई राजवीर ने बिशनपुर गांव में रहने वाले रईस नाम के व्यक्ति की जमानत अपनी अचल संपत्ति के दस्तावेजों को आधार पर दे रखी है। जमानत के बाद से ही रईस फरार है और अन्य मुकदमों में भी वंचित है। इसलिए जगदीश और उसके भाई को सूरजपुर स्थित न्यायालय में पेश होना पड़ेगा।

जगदीश के मुताबिक यह जानकारी मिलने पर उसने थाना सेक्टर-58 पुलिस से संपर्क किया और बताया कि उसने और उसके भाई किसी रईस नहीं जानते हैं और उन्होंने जमानत नहीं दी है। इसके बाद उसने न्यायालय के कार्यालय से इस संबंध में जानकारी लेते हुए पत्रावली का अवलोकन किया तो पता चला कि रईस की पैरोकार समीना ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके तथा उसके बड़े भाई मृतक राजवीर के फर्जी कूट रचित आधार कार्ड कूट रचित बेल बॉन्ड पर किसी अज्ञात व्यक्ति की फोटो चिपकाकर न्यायालय में पेश कर जमानत प्राप्त की है। जगदीश के मुताबिक आरोपियों ने तहसील सदर जनपद बुलंदशहर के लेखपाल नरेश के साथ-साथ गांठ करके उसके परिवार की जमीन की खतौनी को न्यायालय में फर्जी तरीके से पेश किया है।

जगदीश ने आरोप लगाया कि फर्जी जमानत के संबंध में उसके तथा उसके मृतक भाई का सत्यापन जनपद कोतवाली देहात में तैनात उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने फर्जी तरीके से किया है। जगदीश का कहना है कि उसके भाई राजवीर सिंह की वर्ष 2015 में मृत्यु हो चुकी है। न्यायालय में जमानत पर लगाए गए उसके तथा उसके बड़े भाई राजवीर सिंह के आधार कार्ड पर फोटो किसी अन्य व्यक्ति का है। पीड़ित ने न्यायालय को बताएं कि उसने तमाम सबूत के साथ एक प्रार्थना पत्र थाना सेक्टर-58 कोतवाली पुलिस को देखकर विधिक कार्रवाई करने की मांग की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उसने एक शिकायती पत्र वर्ष 2023 में थाना सूरजपुर में दिया यहां पर भी उसे जांच किए जाने का आश्वासन देकर चलता कर दिया गया। पुलिस में कोई सुनवाई न होने पर उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय ने जगदीश के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए केस की पैरोकार शमीला, तालिब, उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह, लेखपाल नरेश कुमार व अन्य अभिव्यक्तियों के खिलाफ थाना सूरजपुर पुलिस में मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि न्यायालय के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना ई.एल.एस.-एस.आर.ई.-25-26-टी-6 दिनांक 12/08/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व० मण्डल बिजली इंजीनियर/टी. आर. एस, इलेक्ट्रिक लोको शेड, खानआलमपुरा यार्ड, सहारनपुर निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइड **www.ireps.gov.in** पर रजिस्टर्ड/पंजीकृत निविदाकर्ताओं से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

खुली निविदा संख्या	ई.एल.एस.-एस.आर.ई.-25-26-टी-6		
कार्य का विवरण: इलेक्ट्रिक लोको शेड, खानआलमपुरा, सहारनपुर के इलेक्ट्रिक लोको कैब रूफ माउंटेड एसी यूनिट्स थ्री फेज लोको (डब्ल्यूएजी-9) इलेक्ट्रिक लोको की व्यापक मरम्मत और रखरखाव, जिसमें 02 वर्ष की अवधि के लिए पुर्जों का प्रतिस्थापन भी शामिल है।			
समापन/खोलने की तिथि	04.09.2025	**लगभग लागत**	रू 1,27,95,136/-
अर्नेस्ट मनी	रू 2,14,000/-	**समापन अवधि**	दो वर्ष
वैधता अवधि	60 दिन		
निविदा फॉर्म की लागत	आई० आर० ई० पी० एस० से डाउनलोड हेतु निःशुल्क तथा रूपये 5000/- Sr.DEE/TRS/SRE ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए		

1. वर्क्स निविदाएं की ई-टेंडरिंग में भाग लेने के निविदाकारों के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना चाहिए।
2. निविदाकर्ता को सभी पात्रता संबंधित दस्तावेजों की स्कैन प्रतियां को अपलोड करना आवश्यक है।
3. सभी कर वर्तमान नियम के अनुसार लागू होंगे।
4. विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें।

2469/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

एक और लड़की के आत्मदाह पर विपक्ष हमलावर

बेटियों में सुरक्षा का विश्वास पैदा नहीं कर सकी भाजपा

भुवनेश्वर, अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा में लगातार सामने आ रहे नाबालिग लड़कियों के आत्मदाह के मामलों को लेकर विपक्ष ने हमला बोला है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा बेटियों में सुरक्षा का विश्वास पैदा नहीं कर सकी। सरकार ऐसी व्यवस्था बनाने में फेल रही जहां बेटियां सुरक्षित, सम्मानित महसूस करें। एक महीने के अंदर इसी तरह की घटनाओं में चार लड़कियों की मौत हो चुकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि यह जानकर बहुत दुःख, सदमा और पीड़ा हुई कि बरगढ़ के गैसिलाट की एक और लड़की ने खुद को आग लगाकर जान दे दी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उस बच्ची के साथ हैं और परिवार के साथ प्रार्थनाएं हैं। ईश्वर परिवार के सदस्यों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह बेहद दुखद है कि हमारी लड़कियां अपनी जान लेने के लिए खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क रही हैं और यह हृदयविदारक है। एक महीने के भीतर ऐसी ही परिस्थितियों में चार बच्चियों की जान जा चुकी है। हर मासूम की मौत में ओडिशा की एक बेटी का दर्द छिपा है जो इतना असहनीय हो गया कि उसे अपनी जान लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं सूझा। ये चार मौतें कोई छिटपुट मामले नहीं हैं। ऐसी कई लड़कियां हैं जो हर दिन अपराध का शिकार होकर सबसे दुखद तरीके से मर रही हैं।

पूर्व सीएम ने कहा कि एनकी हताशा सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है। हर त्रासदी उनकी चीखें न सुन पाने की नाकामी को दर्शाती है। भाजपा प्रशासन व्यवस्था में विश्वास पैदा करने में नाकाम रहा है, जहां हमारी बेटियां सुरक्षित, मूल्यवान और सुनी हुई महसूस करें। भाजपा सरकार इन मामलों को रोकने के लिए कब तक इंतज़ार करेगी? भाजपा सरकार की दर्दनाक चुप्पी और निष्क्रियता ओडिशा की बेटियों को और भी असुरक्षित बना रही है।

बरगढ़ में 13 वर्षीय छात्रा ने दी जान

ओडिशा के बरगढ़ जिले के एक गांव में कथित तौर पर खुद को आग लगाने वाली 13 वर्षीय स्कूली छात्रा ने सोमवार को बुर्ला के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। बरगढ़ जिले के प्रभारी बोलांगीर के एसपी अभिलाष जी ने बताया कि बुर्ला स्थित वीर सुरेंद्र साईं आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में लड़की की मौत हो गई। आठवीं कक्षा की छात्रा ने खुद को आग लगाने के लिए पेट्रोल का इस्तेमाल किया।' यह घटना 12 जुलाई से अब तक तीन अन्य महिलाओं की जलकर मौत के बाद हुई है। उसी दिन बालासोर में एक 20 वर्षीय छात्रा ने अपने कॉलेज परिसर में खुद को आग लगा ली और 14 जुलाई को एम्स भुवनेश्वर में उसकी मौत हो गई। 19 जुलाई को बालांगा में एक नाबालिग लड़की को कथित तौर पर तीन बदमाशों ने आग लगा दी और 2 अगस्त को एम्स दिल्ली में उसकी मौत हो गई। तीसरी ऐसी घटना 6 अगस्त को केंद्रपाड़ा जिले में हुई, जब पट्टामुंडई (ग्रामीण) थाना क्षेत्र में एक तृतीय वर्ष की स्नातक छात्रा का जला हुआ शव उसके घर से मिला।

'सिर्फ आधार, पैन या वोटर आईडी से नहीं बन सकते भारतीय नागरिक'

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी होना ही यह साबित नहीं करता कि वह भारतीय नागरिक है।

अदालत ने यह टिप्पणी उस समय की जब उसने एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिस पर आरोप है कि वह बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आया और फर्जी दस्तावेज बनाकर यहां रह रहा था। बता दें कि आरोपी बाबू अब्दुल रुफ सरदार पर आरोप है कि वह पिछले 10 साल से ज्यादा समय से भारत में रह रहा है और उसके पास नकली आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और यहां तक कि भारतीय पासपोर्ट भी है। न्यायमूर्ति अमित बोर्कर की पीठ ने कहा कि नागरिकता कानून, 1955 स्पष्ट रूप से तय करता है कि कौन भारतीय नागरिक होगा और नागरिकता कैसे मिलेगी या खत्म होगी। आधार, पैन या वोटर आईडी जैसे दस्तावेज सिर्फ पहचान और सरकारी सेवाओं के लिए होते हैं, लेकिन वे नागरिकता का सबूत नहीं होते।

त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप

> मंत्री शिवनकुट्टी ने की पुनर्मतदान की मांग

त्रिशूर, अगस्त (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगा है। इसे लेकर केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने चुनाव आयोग से फिर से चुनाव कराने की मांग की है।

त्रिशूर लोकसभा सीट से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी जीत मिली थी। इस सीट पर भाजपा नेता सुरेश गोपी ने 74,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी। उन्होंने त्रिकोणीय मुकाबले में सीपीआई के वीएस सुनील कुमार और कांग्रेस उम्मीदवार के मुरलीधरन को हराया था।

इस मुद्दे पर वरिष्ठ माकपा नेता शिवनकुट्टी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले और बाद में निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों में व्यापक हेरफेर के आरोप लगे हैं। भाजपा के भीतर गोपी का विरोध करने वाले भी कह रहे हैं कि मतदाता सूची में 30,000 से 60,000 वोट जोड़े जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अब यह बात सामने आई है कि जिले के कई अपार्टमेंटों में आठ से 15 वोट शामिल थे।

शिवनकुट्टी ने कहा कि चुनाव आयोग को त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में दोबारा चुनाव कराना चाहिए। इसके लिए एक वास्तविक और सही मतदाता सूची तैयार की जानी चाहिए। मामले में सुरेश गोपी की लगातार चुप्पी पर शिवनकुट्टी ने कहा कि वह चुप हैं, क्योंकि वह इस मामले पर

सच्चा जवाब नहीं दे सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि गोपी मीडिया और लोगों का सामना करने से डर रहे हैं। इसका मतलब है कि उन्होंने मतदाता सूची में हेराफेरी करके और लाखों रुपये खर्च करके चुनाव जीता है। उन्होंने सुरेश गोपी से त्रिशूर के सांसद पद से इस्तीफा देने की मांग की। शिवनकुट्टी ने कहा कि यदि उनकी रुचि हो तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और नया चुनाव लड़ना चाहिए।

भाकपा नेता ने लगाए थे आरोप

वरिष्ठ भाकपा नेता वीएस सुनील कुमार ने भाजपा पर मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि वह त्रिशूर से गोपी की जीत सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में भगवा पार्टी द्वारा की गई कथित हेराफेरी को साबित करने के लिए सबूतों के साथ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

वह एक सड़कछाप आदमी की तरह बोल रहे : ओवैसी

नई दिल्ली, अगस्त (एजेंसियां)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की अमेरिका की धरती से भारत के खिलाफ ताजा परमाणु धमकी की निंदा की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। औवेसी ने संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मामले को लेकर तल्ख प्रतिक्रिया दी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की परमाणु धमकी पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'पाकिस्तान के सेना प्रमुख के शब्द और उनकी धमकियां निंदनीय हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह अमेरिका की ओर से हो रहा है, जो भारत का रणनीतिक साझेदार है। वह एक 'सड़कछाप आदमी' की तरह बोल रहे हैं। हमें यह भी समझने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना और उनके डीप स्टेट से लगातार खतरे को देखते हुए हमें अपना रक्षा बजट बढ़ाना होगा, ताकि हम तैयार रह सकें।'

मंत्री केएन राजन्ना के निष्कासन के विरोध में उतरे समर्थक, मधुगिरी में हंगामा, निकाला गया मार्च

तुमकुरु, अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक और सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना के सरकार से निष्कासन को लेकर विरोध तेज हो गया है। मंगलवार को उनके निर्वाचन क्षेत्र तुमकुरु जिले के मधुगिरी में समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। समर्थकों ने अपने नेता के समर्थन में मार्च निकाला। वहीं शहर में जगह-जगह प्रदर्शन हुए। इसके अलावा राजन्ना के खास पार्षद गिरिजा मंजूनाथ ने मधुगिरी नगरपालिका से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस को लेकर दिए गए बयान के बाद सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना से इस्तीफा ले लिया गया था। इसे लेकर उनके समर्थक विरोध में उतर आए। समर्थकों ने राजन्ना को बिना किसी वैध कारण के हटाने के लिए कांग्रेस आलाकमान की निंदा करते हुए नारे लगाए। साथ ही अपने नेता के लिए न्याय की मांग की।
समर्थकों ने मंगलवार दोपहर को बंद का आह्वान भी किया। पुलिस ने भीड़ को शांत करने की कोशिश की लेकिन गुस्साए समर्थकों ने दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करने पर मजबूर किया।

जींद में बेटी होने पर 21 गांवों को भोज कराया

8 हजार लोग पहुंचे, शादी के 19 साल बाद पैदा हुई, खाप उपप्रधान ने कुआं पूजन भी कराया

जींद, अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में शादी के 19 साल बाद एक दंपती के घर बेटी का जन्म हुआ। संतान के लिए 19 साल से तरस रहे दंपती ने उम्मीद छोड़कर भाई का बेटा तक गोद लिया था। मगर, 19 साल एक महीने के बाद बिना किसी दवा लिए दंपती को संतान प्राप्ति का सुख मिला। बेटी के जन्म पर दंपती ने गांव ही नहीं, आसपास के 21 गांवों को चूल्हा न्योता देते हुए भव्य जश्न मनाया।

आमतौर पर बेटे के जन्म पर की जाने वाली कुआं पूजन की रस्म भी की। डीजे बजा। खुशी में परिवार और महिलाएं खूब थिरकीं। कार्यक्रम में 24 खापों के प्रधान समेत करीब आठ हजार लोग नवजात बेटी को आशीर्वाद देने पहुंचे। ये जश्न हुआ गांव थुआ में। बेटी के पिता सुरेंद्र कालीरमण खाप के उपप्रधान भी हैं। उनका कहना है कि यह समाज के लिए संदेश भी है कि बेटी और बेटा बराबर होते हैं।

सिलसिलेवार तरीके से पढ़ें 19 साल के इंतजार और इस जश्न की कहानी...

2006 में हुई थी शादी, 3 जगह से इलाज कराया: उचाना हलके के गांव थुआ निवासी सुरेंद्र की 9 जून 2006 को झील गांव की कृष्णा के साथ सुरेंद्र की शादी हुई। शादी के काफी समय बाद भी संतान नहीं हुई, तो उन्होंने पहले कैथल, उसके बाद हिसार और चंडीगढ़ से मेडिकल ट्रीटमेंट लिया।

10 से ज्यादा बार गर्भपात झेला, कोख में बच्चे की ग्रोथ नहीं हुई

सुरेंद्र ने बताया कि पत्नी गर्भवती होतीं, लेकिन कोख में बच्चा ग्रोथ नहीं कर पाता। दूसरे-तीसरे महीने में ही गर्भपात हो जाता। 10 से ज्यादा बार उनकी पत्नी कृष्णा को गर्भपात का दर्द झेलना पड़ा। जब उन्होंने डॉक्टर से पता किया तो पीजीआई के डॉक्टरों ने बताया कि कृष्णा का जो ब्लड ग्रुप है, उसके कारण यह दिक्कत आ रही है। इसी कारण संतान सुख प्राप्ति की संभावना कम है।

पीठ पीछे ताने मिलने लगे तो भाई का बेटा गोद लिया: आसपास की महिलाएं आपस में बातें बनाने लग गईं। पीठ पीछे ताने दिए जाने लगे थे। जैसे-जैसे समय बीतता रहा, वह बच्चे की उम्मीद छोड़ने लगे। तब सुरेंद्र व उनकी पत्नी ने बच्चा गोद लेने का मन बनाया। सुरेंद्र ने अपने बड़े भाई के बेटे को गोद ले लिया। एक साल पहले कृष्णा फिर से गर्भवती हुईं। दूसरे-तीसरे महीने तक किसी तरह की दिक्कत नहीं आई। 10 जुलाई को बेटी का जन्म, नाम रखा भूमि: इस बार मेडिकल टेस्ट करवाए गए तो बच्चे की ग्रोथ ठीक लगी। इसके बाद उन्होंने सावधानी बरतनी शुरू कर दी।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का केस

1990 के सरला भट्ट हत्याकांड में एसआईए की छापेमारी, यासिन मलिक के घर भी दबिश

श्रीनगर, अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में राज्य जांच एजेंसी ने 1990 में कश्मीरी पंडित महिला सरला भट्ट हत्याकांड में मंगलवार को कई जगहों पर छापा मारा है। ये हत्याकांड 35 साल पहले हुआ था। जांच टीम ने यासिन मलिक के घर पर भी रेड की है। एसआईए की टीम मध्य कश्मीर पहुंची है। राज्य जांच एजेंसी 35 साल पहले हुई एक कश्मीरी पंडित महिला की हत्या की जांच के लिए पहुंची है। मध्य कश्मीर में कई जगहों पर छापे मारी चल रही है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि सरला भट्ट की हत्या के सिलसिले में प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट से जुड़े कई लोगों के घरों पर रेड मारी है। बता दें कि सरला भट्ट का शव श्रीनगर शहर में मिला था, जो अप्रैल 1990 में सौरा स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अपने छात्रावास से लापता हुई थी। जेकेएलएफ के पूर्व नेता पीर नूरुल हक शाह उर्फ एयर मार्शल उन लोगों में शामिल थे। जिनके घरों की तलाशी एजेंसी के अधिकारियों ने ली। बता दें कि एजेंसी ने हाल ही में इस मामले की जांच अपने हाथों में ली थी।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को किया तलब

नई दिल्ली, अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में सियासी गर्माहट तेज है। हालांकि इस गर्माहट का बड़ा कारण चुनाव आयोग और बंगाल सरकार के बीच जारी तनातनी भी है। वहीं इस तनातनी ने तूल तब पकड़ ली जब मंगलवार को चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत को मतदाता सूची संशोधन में कथित अनियमितताओं के आरोपी अधिकारियों को न हटाने के फैसले पर स्पष्टीकरण देने के लिए दिल्ली तलब किया।

उत्तराखंड त्रासदी-तबाह धराली फिर से नहीं बसेगा

पूरा गांव नई जगह शिफ्ट होगा, 10 साल में 3 आपदा आईं; सरकार बोली-43 लोग लापता

देहरादून, अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद आई आपदा में तबाह हुआ धराली गांव अब दोबारा उस जगह नहीं बसेगा। सीएम हाउस में हुई बैठक में यह फैसला हुआ है। तय हुआ कि धराली गांव सुरक्षित जगह शिफ्ट होगा। नदियों के किनारे और लैंडस्लाइड वाले संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी नया निर्माण नहीं होगा। इस तरह की संवेदनशील जगहों वाले अन्य गांव भी शिफ्ट किए जा सकते हैं। बीते 10 साल में धराली इलाके में तीन आपदाएं आईं। तीन बार गांव तबाह हुआ, लेकिन हर बार स्थानीय लोगों ने वहां नई इमारतें खड़ी कर लीं। फिलहाल आपदा के 7 दिन बाद भी धराली गांव लाखों टन मलबे में दबा है। उत्तरकाशी के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था। सरकार ने सोमवार को बताया कि कुल 43 लोग लापता हैं। इनमें से एक ही शव मिल पाया है।

धराली के विस्थापन के लिए लोगों से बातचीत शुरू

अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने बताया कि धराली के विस्थापन के लिए स्थानीय लोगों से चर्चा शुरू कर दी है। लोग चाहते हैं कि उन्हें 8 से 12 किमी दूर लंका, कोपांग या जांगला में बसाया जाए। वहीं, हर्षिल में आई आपदा में सेना का कैंप भी बह गया था। इसलिए नया कैंप लगाने के लिए सेना श्रीखंड पर्वत और आसपास के ग्लेशियरों, झीलों की रेकी करेगी।

स्थानीय लोग बोले- 60 से ज्यादा लोग लापता

पहले दिन सरकार ने 4 लोगों की मौत और 30 लोगों के लापता होने की पुष्टि की थी।

जबकि 10 अगस्त को कहा गया कि 15 लोग लापता हैं, इनका कहीं कुछ पता नहीं। दूसरी तरफ, स्थानीय लोग 60 के लापता होने की बात शुरू से कहते रहे, लेकिन मौसम और सड़कें टूटी होने के चलते इन्हें ढूंढ़ने के प्रयास शुरू नहीं हो पाए। लापता में 29 नेपाली मजदूर भी थे। मोबाइल नेटवर्क आने के बाद इनमें से 5 से संपर्क हो गया है। 24 की तलाश जारी है।

भूस्खलन से 398 सड़कें बंद, चंबा में हाईवे धंसा चलती बस पर पहाड़ी से गिरे पत्थर

शिमला, अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश से कई क्षेत्रों में भूस्खलन व पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। सैकड़ों सड़कें बाधित हैं। कई इलाकों में बिजली व पेयजल आपूर्ति ठप है। राज्य में मंगलवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 398 सड़कें बंद रहीं। इसके अतिरिक्त 669 बिजली ट्रांसफार्मर व 529 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 213 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 84 सड़कें व 367 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हैं। चंबा में चलती बस पर पहाड़ी से पत्थर गिर गए। इससे दो यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं।

बताया जा रहा है कि 40 के करीब सवारियां लेकर निजी बस चांजू से भंजराड़ू के लिए निकली थी। चांजू से तीन किमी सफर तय करने के बाद बस चूरसेऊ के समीप पहुंची। इस दौरान अचानक पहाड़ी से गिरे पत्थर बस की छत को तोड़कर अंदर आ गिरे। इससे दो यात्री घायल हो गए। बस में पत्थर गिरने सवारियों में चीख-पुकार मच गई। चालक-परिचालक ने बस को सड़क के किनारे रोक कर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को निजी वाहन के जरिये पीएचसी बघेईगढ़ ले जाया गया। जहां पर उन्हें प्राथमिक उपचार देखकर छुट्टी कर दे दी गई।

पृष्ठ एक के शेष....

बांकेबिहारी ट्रस्ट....

इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश वैसा विकास नहीं कर सका जितनी क्षमता थी लेकिन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी व 2017 में यूपी में योगी सरकार आने के बाद हमने विकास की मजबूत नींव रखनी शुरू की। अब प्रदेश में कानून व्यवस्था में सुधार होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। किसानों को उनकी फसलों का दाम मिल रहा है। प्रदेश ने बीते साढ़े आठ साल में शिक्षा और स्वास्थ्य हर क्षेत्र में प्रगति की है। अब 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वित्त व संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि 2022 में जनता ने हमारे संकल्प पत्र के आधार पर ही हमें जनादेश दिया था। उन्होंने विपक्ष के द्वारा हंगामा करने पर कहा कि इन लोगों का काम सिर्फ अराजकता फैलाना है। सदन में किसी को अराजकता फैलाने की इजाजत नहीं दी सकती है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अराजकता हम नहीं सत्ता पक्ष के लोग फैला रहे हैं।

सरकार बताए अब...

हम इस पर चर्चा करना चाहते हैं। विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा को लेकर सपा ने भी अपनी रणनीति तैयार की है। सपा सदस्यों का कहना है कि वे सदन में मौजूद रहकर भाजपा के झूठे वादों की पोल खोलेंगे। सपा के विधायक आरके वर्मा ने कहा कि हम भाजपा का विजन डाक्यूमेंट बहुत पहले देख चुके हैं। उन्होंने सवाल दागे कि क्या काला धन वापस आया। हर खाते में 15 लाख पहुंचे। दो करोड़ लोगों को रोजगार मिला। नोटबंदी के क्या फायदे हुए और किसानों की आय दोगुना करने के वादे का क्या हश्र हुआ। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि यह चर्चा अनावश्यक है।

नोएडा प्राधिकरण बांटेगा...

ताकि वह अपने प्रतिष्ठान एवं घरों में तिरंगा झंडा लगा सकें। उधर जिला प्रशासन की ओर से भी घर-घर झंडा लगाने के लिए भारी मात्रा में झंडा वितरित जाएंगे इसको लेकर जिला अधिकारी मेधा रूपम ने बैठक करके हर सरकारी विभाग एवं प्रतिष्ठानों पर स्वतंत्रता दिवस के दिन तिरंगा लगने का आह्वान किया है।

घर से बिना बताए ...

17 वर्षीय बेटी 6 अगस्त को घर से मार्केट सामान लेने के लिए गई थी इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी उन्होंने रिश्तेदारी वह आस पड़ोस में अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना बीटा-2 पुलिस में पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

थाना बीटा 2 क्षेत्र के ही सेक्टर अल्फा दो निवासी प्रिया (काल्पनिक नाम) ने अपनी 14 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रिया ने बताया कि 7 अगस्त के शाम को उनके बेटी घर से बिना बताए चली गई इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। काफी तलाशने पर भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस लापता किशोरियों की तलाश में जुटी हुई है।

30 हजार कुत्तों...

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले पर एक बार पुनर्विचार करना चाहिए।

नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अभी तक सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कॉपी नहीं मिली है। आदेश की कॉपी मिलने के बाद में इस पर बैठक करके विचार किया जाएगा। जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह का कहना है कि आदेश के अनुपालन में नोएडा में क्रमबद्ध तरीके से डॉग शेल्टर में कुत्तों को रखने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए एक रणनीति बनाई जाएगी। उनका कहना कि नोएडा में आवारा कुत्तों की कोई निश्चित संख्या तय नहीं है लेकिन एक अनुमान के मुताबिक 25 से 30 हजार आवारा कुत्ते नोएडा में हैं। इसके लिए पहले से ही जन स्वास्थ्य विभाग ने शेल्टर की तैयारी शुरू कर दी है। चार प्रस्तावित डॉग शेल्टर में से एक तो चालू हो गया है बाकी तीन पर काम चल रहा है जिन्हें शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा।

नोएडा में बकायेदार...

के बाद बिल्डरों ने आंशिक पैसा जमा करना शुरू कर दिया है। प्रत्येक छह महीने में इसका एक रिव्यू भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नोएडा में 57 बिल्डर प्रोजेक्ट है। जिनको अमिताभ कांत आयोग की सिफारिश में शामिल किया गया था। इसमें से 35 बिल्डरों ने कुल बकाया का 25 प्रतिशत राशि जमा कर दी है। इन्ही 35 बिल्डरों की 75 प्रतिशत बाकी राशि जमा करने के लिए तीन किस्त बनाई गई है। 12 ऐसे बिल्डर है जिन्होंने 25 प्रतिशत में भी आंशिक पैसा जमा किया है। 4 ऐसे बिल्डर हैं जिन्होंने पैसा जमा नहीं किया। छह बिल्डरों ने सहमति तक नहीं दी। वहीं 35 बिल्डर जिन्होंने 25 प्रतिशत पैसा जमा किया, इसमें से 13 बिल्डरों को एनजीटी के जीरो पीरियड का लाभ भी दिया गया और पैसा जमा करने के लिए कहा गया। उम्मीद है जल्द ही बिल्डर नए जारी किए गए नोटिस के तहत 25 प्रतिशत पैसा जमा करने सामने आएंगे। जिससे रुकी हुई रजिस्ट्री की प्रक्रिया तेजी से होगी।

हथियार दिखाकर ....

व्यक्ति ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और उसकी बाइक को ले जाने लगा।

प्रमोद कुमार सिंह के मुताबिक उसने खुद को संभाल कर बदमाश के पीछे भाग कर उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़ा और फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाश की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

जय हो संस्था के पांच...

बताया कि संस्था आगामी 15 अगस्त ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा निकाल रही है। जोकि 14 अगस्त को पंजाब के हुसैनीवाला स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव जी के समाधि स्थल से उनकी रज और सतलुज नदी का जल लेकर प्रारंभ होगी। जिसके बाद 15 अगस्त को दोपहर 1 बजे दादरी ब्लॉक स्थित शहीद स्तंभ पर समापन होगा। इस अवसर पर जय हो सामाजिक संस्था के संरक्षक एवं बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष प्रमेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि जिले में ही नहीं प्रदेश में इस प्रकार की देशभक्ति भाव वाली यह प्रेरणा यात्रा पहली बार आ रही है। इस ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा के दौरान हजारों लोगों को शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की रज़ को नमन करने का मौका मिलेगा। यह यात्रा संस्था द्वारा दादरी तहसील परिसर में स्थित शहीद स्तंभ के जीर्णोद्धार के संकल्प के साथ की जा रही है। उन्होंने बताया इस यात्रा को जीवंत बनाने के लिए संस्था के पांच सदस्य संस्था के संस्थापक कपिल शर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में हुसैनीवाला पंजाब के लिए रवाना हुए हैं। जिनमें दिनेश भाटी एडवोकेट, संस्था के संयोजक संदीप भाटी, महासचिव परमानंद कौशिक, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा एडवोकेट शामिल हैं। इस दौरान शहर के लोगों ने नगर की चेयरमैन गीता पंडित और समाजसेवी एच के शर्मा जी के नेतृत्व में शहीद स्तंभ और राजा राव उमराव सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर रवाना किया। इस दौरान शहर के लोगों ने बड़ी संख्या में शहीद स्तंभ से शहर के बाहर तक पैदल यात्रा कर रवाना किया। वहीं हर तरफ भारत माता की जय और अमर शहीदों की जय के नारे गूंजते रहे।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, नीरज शर्मा एडवोकेट डीजीसी सिविल, वरिष्ठ समाजसेवी राजू पंडित, टीकाराम शर्मा, अशोक पंडित, एन के शर्मा, आर पी शर्मा, सुधीर वत्स, अभिषेक मैत्रेय, सुनील कश्यप, कपिल चौधरी, सुरजीत विकल, दीपक शर्मा एडवोकेट, बिजेंद्र कश्यप, पंकज पंडित, कपिल दीक्षित, अंकुर त्यागी आदि लोग मौजूद थे।

मानहानि केस- धोनी की अर्जी पर सुनवाई होगी

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश, माही ने मीडिया हाउस पर 100 करोड़ का दावा किया था

चेन्नई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के 100 करोड़ रुपए मानहानि केस में मद्रास हाई कोर्ट ने सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। धोनी का बयान एडवोकेट कमिश्नर के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाएगा, ताकि भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सके। धोनी ने 2014 में यह केस दर्ज किया था, जिसमें दो प्रमुख मीडिया चैनलों से हर्जाने की मांग की गई थी। आरोप था कि 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी घोटाले पर टीवी डिबेट के दौरान उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी की गई थी।

एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त

जस्टिस सीवी कार्तिकियन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है, जो धोनी की ओर से सबूत और बयान दर्ज करेंगे। धोनी ने हलफनामे में कहा कि वे कोर्ट और कमिश्नर के निर्देशों का पालन करेंगे और चाहते हैं कि ट्रायल में देरी न हो।

2013 में हुई थी स्पॉट फिक्सिंग

आईपीएल 2013 में स्पॉट फिक्सिंग हुई थी। पुलिस की जांच में बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के दामाद, टीम चेन्नई सुपर किंग्स के हेड गुरुनाथ मयप्पन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा जैसे बड़े नामों पर आरोप लगे थे। राजस्थान रॉयल्स के 3 खिलाड़ी एस. श्रीसंत, अंकित चव्हाण और अजीत चंदीला तो गिरफ्तार हो हुए थे। दोनों टीमों पर सवाल खड़े होने लगे। हाईप्रोफाइल मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की तरफ से लोढ़ा कमेटी बनाई गई। साल 2015 में कमेटी की सिफारिश पर दोनों टीमों पर 2 साल का प्रतिबंध लगाया गया था।

धोनी फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और आईपीएल में सीएसके की ओर से खेलते हैं। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। उन्होंने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए है। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान

धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली।

एशियाई मुक्केबाजी में रीतिका का गोल्डन पंच

भारत चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहा

बैंकॉक, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतियोगिता के आखिरी दिन पांच भारतीय मुक्केबाजों में से सिर्फ रीतिका ही भारत को स्वर्ण पदक दिला सकीं। वह रक्षण और आक्रमण के शानदार तालमेल से कजाखस्तान की मुक्केबाज असेल तोकतास्यन को मात देकर अंडर-22 वर्ग में भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाने में सफल रहीं।

भारत की रीतिका ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अंडर-22 आयुवर्ग में महिलाओं की 80+ श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत प्रतियोगिता में ओवरऑल चौथे स्थान पर रहा। अंडर-22 में भारतीय दल ने 13 और अंडर-19 में 14 पदक हासिल किए। अंडर-19 में तीन स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य के साथ भारत दूसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता के आखिरी दिन पांच भारतीय मुक्केबाजों में से सिर्फ रीतिका ही भारत को स्वर्ण पदक दिला सकीं। वह रक्षण और आक्रमण के शानदार तालमेल से कजाखस्तान की मुक्केबाज असेल तोकतास्यन को मात देकर अंडर-22 वर्ग में भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाने में सफल रहीं। रीतिका ने फाइनल में कजाखस्तान की एसेल तोकतासिन को पराजित किया। मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ने रक्षण और आक्रमण का बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाया।

सुबह के सत्र में यात्री पटेल ने 57 भारवर्ग में रजत पदक दिलाया। उन्हें फाइनल में उज्बेकिस्तान की खुमोराबोनू के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रिया को 60 किलो भारवर्ग के फाइनल में चीन की यू टियान के खिलाफ कड़े मुकाबले में पराजय मिली। पुरुष वर्ग में नीरज 75 भारवर्ग के खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के शावकातजोन बोलाटेव से और 90+ भारवर्ग में ईशान कटारिया उज्बेकिस्तान के खलीमजोन मामासोलिव से पराजित हो गए जिससे दोनों भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने रजत पदक हासिल किया।

एथलीट गगनदीप को डोपिंग मामले में मिली तीन साल की सजा

राष्ट्रीय खेलों में जीत चुके हैं स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खेलों में चक्का फेंक के स्वर्ण पदक विजेता गगनदीप सिंह सहित कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इन खिलाड़यों ने डोपिंग का आरोप लगने के 20 दिनों के अंदर अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके कारण उनकी सजा चार साल के बजाय तीन साल कर दी गई।

सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले गगनदीप ने 12 फरवरी को उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की चक्का फेंक में 55.01 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये गये। उनके नमूने में 'टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट्स' की पुष्टि होने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

इस 30 साल के खिलाड़ी की प्रतिबंध अवधि की शुरुआत 19 फरवरी 2025 से होगी। खिलाड़ी के पहले अपराध के लिए अधिकतम प्रतिबंध की अवधि चार साल है, लेकिन नाडा नियमों के अनुच्छेद 10.8 (परिणाम प्रबंधन समझौता) के तहत अगर खिलाड़ी अपने अपराध को जल्दी स्वीकार कर लेता है तो उसकी सजा कम हो सकती है।

गगनदीन से राष्ट्रीय खेलों का पदक वापस ले लिया जायेगा। संभावना है कि हरियाणा के खिलाड़ी निर्भय सिंह का रजत पदक अब स्वर्ण में बदल जाएगा। ट्रैक एवं फील्ड के दो अन्य एथलीट सचिन कुमार और जैनु कुमार को भी इसी प्रावधान का लाभ मिला है। इसके तहत उनके प्रतिबंध की अवधि को एक साल कम कर दिया गया है। सचिन का तीन साल का प्रतिबंध 10 फरवरी से शुरू हो गया है, जबकि जैनु के लिए यह तारीख 20 फरवरी है।

इस प्रावधान का लाभ जूडो खिलाड़ी मोनिका चौधरी और नंदिनी वत्स, पैरा पावरलिफ्टर उमेशपाल सिंह और सैमुअल वनलालतन्पुइया, भारोत्तोलक कविंदर, कबड्डी खिलाड़ी शुभम कुमार, पहलवान मुगाली शर्मा, वुशू खिलाड़ी अमन और राहुल तोमर के अलावा एक नाबालिग पहलवान को भी मिला है। इनमें से ज्यादातर को इस साल की शुरुआत में नाडा द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

डेविड वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में तोड़ा विराट कोहली का महारिकॉर्ड

खास लिस्ट में बनाई जगह

लंदन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हालांकि लीग क्रिकेट में अभी भी वॉर्नर का जलवा देखने को मिलता है। फिलहाल डेविड वॉर्नर इंग्लैंड में खेली जा रही द हंड्रेड लीग 2025 में धमाल मचा रहे हैं। द हंड्रेड में वॉर्नर लंदन स्पिरिट टीम का हिस्सा हैं। वहीं बीते दिन मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स के खिलाफ वॉर्नर ने कमाल की बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए वॉर्नर ने टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के एक महारिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इसके साथ ही वॉर्नर ने खास लिस्ट में अपनी जगह बना ली है।

11 जुलाई को द हंड्रेड 2025 में मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स और लंदन स्पिरिट के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में डेविड वॉर्नर ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंदों पर 71 रनों की पारी खेली थी। इस दौरान उनके बल्ले से 12 चौके और 1 छक्का निकला। जिसके चलते अब डेविड वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है।

विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में अभी तक 15,543 रन बनाए हैं। विराट ने ये कारनामा 414 मैचों की 397 पारियों में करके दिखाया था। कोहली टी20 इंटरनेशनल से तो संन्यास ले चुके हैं, लेकिन आईपीएल में अभी भी खेलते हुए दिखाई देते हैं। वहीं डेविड वॉर्नर के नाम अब टी20 क्रिकेट में 15,545 रन दर्ज हो गए हैं। वॉर्नर ने ये कारनामा 419 मैचों में करके दिखाया है।

हर्षित राणा से दोगुनी सजा 2 क्रिकेटरों को मिली

अपने किए का भुगता अंजाम, एक ही दिन सब नपे

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हर्षित राणा मैदान पर अपनी हरकतों के लिए पहले भी सजा भुगत चुके है. लेकिन, डीपीएल 2025 में उनके साथ ऐसा पहली बार हुआ है. यहां भी उन्हें अपने किए की सजा मिली है. सजा भुगतने वालों में वो अकेले नहीं हैं. बल्कि, उनके साथ दो और क्रिकेटर- कृष यादव और यजस शर्मा- भी हैं. दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 में ये तीनों क्रिकेटर एक ही दिन, एक ही मैच में नपे हैं. बड़ी बात ये है कि कृष यादव और यजस शर्मा को मिली सजा हर्षित राणा से सीधे दोगुनी है.

हर्षित राणा, कृष यादव और यजस शर्मा को सजा

ये घटना 11 अगस्त को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच मुकाबले में घटी. इस मैच में तीनों खिलाड़ियों- हर्षित राणा, कृष यादव और यजस शर्मा- को कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी पाया गया है. इस गलती की वजह से ही तीनों क्रिकेटरों पर दिल्ली प्रीमियर लीग के आयोजकों ने सजा के तौर पर जुर्माना ठोका है. सजा पाने वाले हर्षित राणा और यजस शर्मा नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स टीम का हिस्सा हैं. वहीं, कृष यादव वेस्ट दिल्ली लायंस टीम के सदस्य हैं.

हर्षित राणा, कृष यादव और यजस शर्मा का गुनाह क्या रहा और उन पर सजा के तौर पर कितना-कितना जुर्माना लगाया गया, आइए जरा डिटेल में जानते हैं. कृष यादव और यजस शर्मा की बात करें तो इन दोनों क्रिकेटरों को डीपीएल की आचार संहिता की धारा 2.3 के लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया है. इसका मतलब उन्होंने आक्रामक या अश्लील जेस्चर का इस्तेमाल किया. खिलाड़ियों ने मैच रेफरी के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया है, जिसके बाद दोनों क्रिकेटरों की मैच फीस में 20-20 प्रतिशत की कटौती की गई है.

हर्षित राणा पर क्यों लगा जुर्माना?

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान हर्षित राणा को डीपीएल की आचार संहिता की धारा 2.5 के लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया है. इसका मतलब ऐसी भाषा या शब्द के इस्तेमाल से है, जिससे मैच में किसी खिलाड़ी का अपमान हुआ हो. हर्षित राणा ने भी मैच रेफरी के सामने अपना गुनाह कबूल किया है. और, उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगा है.

बेन डकेट के साथ इंग्लैंड में क्यों भिड़े थे आकाशदीप, गरमा गरम बहस का खुल गया राज?

खेल डेस्क, 13 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में आकाशदीप ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मुश्किल परिस्थिति में भी टीम इंडिया के लिए बेहतरीन गेंदबाजी की। अब वह इंग्लैंड से लौटने के बाद अपने परिवार के साथ खुशी के पल बिता रहे हैं। ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट मैच के दौरान इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट से उनकी झड़प हो गई थी। अब आकाशदीप ने इस बातचीत का जिक्र किया है।

क्या हुई थी बेन डकेट से बातचीत?

ओवल टेस्ट मैच में बेन डकेट ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान आकाशदीप से कहा था कि आप मुझे आउट नहीं कर सकते। हालांकि इसके थोड़ी देर बाद ही आकाशदीप ने डकेट को आउट कर पवेलियन भेजा था। इस दौरान जब डकेट पवेलियन लौट रहे थे, तब आकाशदीप ने उनके कंधे पर हाथ रखकर कुछ बातचीत करते हुए नजर आए थे, जिसका खुलासा अब स्टार गेंदबाज ने किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में आकाश ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर आपको शांत रहना जरूरी है। मैंने डकेट से कहा, 'तुम अकेले नहीं मारोगे; मैं भी मारूंगा। कभी-कभी तुम चूक जाते हो, और मैं मार देता हूं।

आकाशदीप ने खेली थी अर्धशतकीय पारी

डकेट से विवाद के बाद आकाशदीप ने अपनी बल्लेबाजी का रंग जमाया था और टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक भी जड़ा था। वह नाइटवॉचमैन के रूप में उतरे थे। लेकिन इंग्लैंड के गेंदबाज उनको समय पर आउट नहीं कर सके और उन्होंने अर्धशतक जमा दिया था। आकाशदीप ने 94 गेंदों में 66 रनों की शानदार पारी खेली थी। उन्होंने 12 चौके भी अपने नाम किए थे। हालांकि गेंदबाजी में वह खासा कमाल नहीं कर सके और 2 पारियों में केवल 2 ही विकेट चटक पाए। आकाशदीप ने बर्मिंघम में खेले गए पहले मैच में 10 विकेट चटकाए थे। उन्होंने पहली पारी नें 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर तहलका मचाया था। उन्होंने 3 मैचों की 6 पारियों में 13 विकेट चटकाए थे।

शुभमन गिल आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

खेल डेस्क, 13 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को ICC ने जुलाई का प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया। उन्होंने इस रेस में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को पीछे छोड़ा। शुभमन ने जून से अगस्त के बीच इंग्लैंड में खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 4 शतक लगाए थे।

विमेंस क्रिकेट में इंग्लैंड की बैटर सोफिया डंकली को यह अवॉर्ड मिला। उन्होंने अपनी ही टीम की सोफी एकलस्टन और आयरलैंड की कप्तानी गैबी लुईस को पीछे छोड़ा।

जुलाई में 25 साल के शुभमन ने 94.50 की औसत से 3 टेस्ट में 567 रन बनाए। इनमें एक डबल सेंचुरी और 2 सेंचुरी शामिल रहीं। सीरीज का एक शतक उन्होंने अगस्त में लगाया, इसलिए उसे जुलाई के स्कोर में शामिल नहीं किया। गिल को चौथी बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। आईसीसी अवॉर्ड मिलने के बाद शुभमन ने कहा, 'प्लेयर ऑफ द मंथ बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस बार इस अवॉर्ड की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि यह टेस्ट कप्तानी में मेरी पहली सीरीज की परफॉर्मेंस से मिला। बर्मिंघम में डबल सेंचुरी लगाना मुझे हमेशा याद रहेगा। यह मेरे इंग्लैंड दौरे की बड़ी हाईलाइट रही। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज मेरे लिए कप्तान के रूप में सीखने का बड़ा मौका रहा। सीरीज में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया।'

आईसीसी ने 2021 में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड देने की शुरुआत की। तब से शुभमन गिल ने चौथी बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया। इसी के साथ वे सबसे ज्यादा बार इस अवॉर्ड को जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बने। गिल ने इसी साल फरवरी में भी अवॉर्ड जीता। वहीं 2023 में उन्हें 2 बार अवॉर्ड मिला था। विमेंस प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज भी 4-4 बार यह अवॉर्ड जीत चुकी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में शुभमन गिल लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में 16 और 6 रन ही बना सके थे। इसके बावजूद उन्होंने बाकी 2 टेस्ट की 4 पारियों में 3 शतक लगा दिए। गिल ने सीरीज के 5 टेस्ट में 754 बनाए, जो किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट सीरीज में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इंग्लैंड की सोफिया डंकली को विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। उन्होंने जुलाई में भारत के खिलाफ 4 टी-20 और 3 वनडे खेले। टी-20 में उन्होंने 134.57 के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। इसी फॉर्म को उन्होंने वनडे में भी कायम रखा और 63 की औसत से 126 रन बना दिए।

रवि अश्विन ने सीएसके से रिटेन होने पर सफाई मांगी

यूट्यूब पॉडकास्ट में कहा- मुझे टीम से अलग होने में कोई दिक्कत नहीं

चेन्नई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स से अगले सीजन को लेकर सफाई मांगी है। ईएसपीएल क्रिकइन्फो की रिपोर्ट अनुसार, अश्विन ने अपनी टीम सीएसके से साफ कह दिया है कि अगर टीम उन्हें रिटेन नहीं करना चाहती तो उन्हें पहले ही बता दे।

अश्विन ने टीम मैनेजमेंट से कहा है कि अगर वे टीम के फ्यूचर प्लान में फिट नहीं बैठते तो उन्हें अलग से होने से कोई परेशानी नहीं है। उन्हें बस ऑक्शन से पहले टीम इस बारे में इन्फॉर्म कर दे। अश्विन को सीएसके ने पिछले मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपए की कीमत देकर खरीदा था। हालांकि, वे टीम के लिए 14 में से 9 मुकाबले ही खेल सके। जिसमें उन्होंने 7 विकेट लिए थे। आईपीएल में प्लेयर रिटेन और रिलीज करने की आखिरी तारीख ऑक्शन के 1 सप्ताह पहले तक रहती है। इस बार का मिनी ऑक्शन नवंबर से जनवरी के बीच हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीएसके राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को टीम का हिस्सा बनाना चाहती है। हालांकि, इसके लिए आरआर भी किसी बड़े प्लेयर की डिमांड ही कर रही है।

ऐसे में संभव है कि आरआर रवि अश्विन को लेकर संजू सैमसन को रिलीज कर दे। हालांकि, सैमसन की कीमत अश्विन से 9.25 करोड़ रुपए ज्यादा है। ऐसे में राजस्थान जरूर अश्विन के साथ भी किसी प्लेयर को लेने की डिमांड कर सकती है।

रवि अश्विन ने पिछले दिनों अपने यूट्यूब चैनल पर संजू सैमसन के साथ पॉडकास्ट के माध्यम से एक इंटरव्यू अपलोड किया। इसमें अश्विन ने कहा, 'मैं राजस्थान के लिए 3 साल खेला। पहले साल के बाद ही मुझे सीईओ ने ई-मेल किया कि इस सीजन आपकी परफॉर्मेंस हमारी उम्मीदों से बेहतर रही, इसलिए हम आपका कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा रहे हैं। ऐसा हर साल हुआ। मुझे लगता है कि यह हर फ्रेंचाइजी की जिम्मेदारी होती है कि वह खिलाड़ी को रिटेंशन के बारे में इन्फॉर्म करती रहे।

संजू को लेकर खबरें आ रही हैं, लेकिन मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे टीम में रिटेन होना चाहते हैं या नहीं। मैंने भी सीएसके से अपने रोल के बारे में सफाई मांगी है। संजू के बारे में मुझे नहीं पता कि यह अफवाह कहां से उड़ रही है।'

फुटबॉलर रोनाल्डो ने इंगेजमेंट की

गर्लफ्रेंड जॉर्जिना ने रिंग की फोटो शेयर की

खेल डेस्क, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पुर्तगाल और अल नस्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रॉड्रिगेज के साथ सगाई कर ली है। जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की है।

जॉर्जिना ने अपने हाथ और रोनाल्डो के हाथ की फोटो पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, 'हां मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।' हालांकि, रोनाल्डो ने अब तक इसे लेकर कोई पोस्ट नहीं किया है।

रोनाल्डो और जॉर्जिना नौ साल (2016) से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवाड्र्स में पहली बार एक साथ दिखाई दिए थे।

जॉर्जिना एक स्पेनिश मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इन दोनों के साथ में चार बच्चे हैं। एवा मारिया और मातेओ का जन्म 2017 में सरोगेसी से हुआ था। वहीं, 2017 में ही जॉर्जिना ने बेटी अलाना मार्टिना और 2022 में बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था। इसके अलावा रोनाल्डो का एक बेटा भी है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, जिनका जन्म 2010 में हुआ था।

वैभव सूर्यवंशी के लिए बीसीसीआई ने स्पेशल प्लान बनाया

आएगा टीम इंडिया का बुलावा !

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के लाल 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी इन दिनों क्रिकेट की दुनिया में छाए हुए हैं। भारत हो या बाहर वैभव का बल्ला जमकर आग उगलता है। फिलहाल वैभव अंडर-19 टीम इंडिया का हिस्सा है और हाल ही में इंग्लैंड में खेली गई सीरीज में उन्होंने धमाल मचाया था। वहीं अब वैभव को बीसीसीआई से फोन आया, जिसके बाद वैभव सीधे नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) पहुंचा दिया। जहां वैभव को खास ट्रेनिंग दी जाएगी।

बीसीसीआई ने वैभव के लिए तैयार किया खास ट्रेनिंग प्लान

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी को फोन करके एनसीए बुलाया है। जहां बीसीसीआई ने वैभव के लिए खास ट्रेनिंग प्रोग्राम तैयार किया है। इस दौरान तकनीकी ड्रिल्स और मैच परिस्थितियों पर भी काम किया जाएगा। इस दौरान वैभव एक सप्ताह तक ट्रेनिंग लेंगे।

क्या बोले वैभव के बचपन के कोच?

वैभव सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा ने बताया धीरे-धीरे सीनियर खिलाड़ी संन्यास ले रहे हैं, ऐसे में खाली जगह को भरने के लिए अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करना बेहद जरुरी है। ऐसे में वैभव के लिए ये ट्रेनिंग उसी खाली जगह को भरने की प्रक्रिया का हिस्सा है। वैभव एक सप्ताह तक ये ट्रेनिंग करेंगे, इसके बाद वे अंडर-19 इंडिया कैंप से जुड़ जाएंगे।

इंग्लैंड में किया था शानदार प्रदर्शन

आईपीएल 2025 के बाद वैभव सूर्यवंशी का बल्ला इंग्लैंड में भी खूब चला। इंग्लैंड के साथ खेली गई यूथ वनडे सीरीज में बल्लेबाजी करते हुए वैभव ने 5 मैचों में 355 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से एक शानदार शतक भी देखने को मिला था। इस सीरीज में वैभव ने 52 गेंदों पर ही सेंचुरी लगा दी थी। जो यूथ वनडे सीरीज में किसी भी खिलाड़ी का सबसे तेज शतक था।

गणेश चतुर्थी से पहले घर क्यों लाई जाती है मिट्टी, क्या है मिट्टी और गणपति का संबंध

गणेश चतुर्थी से पहले घर में रखी जाने वाली मिट्टी गणपति की परंपरा सिर्फ एक धार्मिक रिवाज नहीं है, बल्कि इसे भगवान गणेश के शुभ आगमन का संकेत भी माना जाता है।

जिस प्रकार सावन महीना हिंदू धर्म में महत्व रखता है ठीक उसी प्रकार भादो महीना भी। भादो महीने में कई व्रत त्योहार मनाए जाते है। जिसकी अलग की महत्व होता है। हम बात कर रहे है 'गणेश चतुर्थी' की। जो जल्द ही आने वाली है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश जी का जन्म हुआ था। इसी दिन से गणेश चतुर्थी का उत्सव शुरू होता है जो 10 दिनों तक चलता है।

आपको बता दें, गणेश चतुर्थी का पर्व आते ही बाजारों में रंग-बिरंगी गणपति मूर्तियों की रौनक बढ़ जाती है। भक्त अपने घर पर गणपति को लाने की तैयारी में जुट जाते हैं। हर गणपति भक्त चाहता है कि उनके घर भगवान गणेश का आगमन हो। लेकिन क्या आपने गौर किया है कि इस त्योहार से कुछ दिन पहले घर-घर में विशेष मिट्टी लाई जाती है और उसे बड़े आदर से पूजा स्थान के पास रखा जाता है? आइए जानते है गणेश चतुर्थी से पहले घर में क्यों रखी जाती है मिट्टी?

गणेश चतुर्थी से पहले घर में क्यों रखी जाती है मिट्टी

गणपति और मिट्टी का जन्म संबंध

आपको बता दें, हिंदू शास्त्रों के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान गणेश को गंगा स्नान के दौरान अपने शरीर के उबटन की मिट्टी से बनाया था। इसलिए गणेश जी को मृण्मय यानी मिट्टी से उत्पन्न कहा कहा जाता है।

कई भक्त मानते हैं कि गणपति की पूजा में वही मिट्टी इस्तेमाल होनी चाहिए जिसमें पवित्रता और जीवंत ऊर्जा हो।

क्या है मिट्टी लाने की शुभ तिथि

आपको बता दें, पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से पहले किसी भी दिन शुभ मुहूर्त में मिट्टी घर लाई जाती है। पौराणिक मान्यता है कि मिट्टी लाने के समय ?गं गणपतये नमः मंत्र का जप करने से उस मिट्टी में गणपति का आशीर्वाद बस जाता है।

बता दें, कई जगहों पर यह मिट्टी नदियों के किनारे, खेतों या शिव मंदिर की चौखट से ली जाती है, क्योंकि इन्हें पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है।

घर में मिट्टी रखने के लाभ

घर में ये मिट्टी रखने से घर में शुभ ऊर्जा का संचार होता है।

इस मिट्टी को घर में रखने से नकारात्मक शक्तियां दूर रहती है।

इस मिट्टी को घर लाने से नए कामों की शुरुआत में सफलता मिलती है।

घर में मिट्टी लाने से परिवार में सौहार्द और एकता बढ़ती है।

मिट्टी और गणेश मूर्ति निर्माण

मूर्तिकार भी मानते हैं कि गणेश प्रतिमा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी में विशेष ऊर्जा होती है।

जब इस मिट्टी को घर में रखा जाता है तो यह संकेत होता है कि विघ्नहर्ता स्वयं आपके घर पधारने वाले है। कहा जाता है कि मिट्टी का घर में आना दरअसल गणपति के आगमन का पहला संकेत है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि हम न केवल त्योहार की तैयारी कर रहे हैं, बल्कि अपने भीतर की नकारात्मकता को भी मिट्टी में मिलाकर नई शुरुआत करने वाले है।

मोर पंख के उपाय खोल देते हैं किस्मत के दरवाजे, जन्माष्टमी पर जरूर आजमाएं!

मोर पंख को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय माना गया है और इसे वे आभूषण के रूप में अपने सिर पर लगाए रहते हैं। ज्योतिष शास्त्र में मोर पंख के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से आपकी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। आइए जानें जन्माष्टमी पर मोर पंख के क्या उपाय हैं।

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का पर्व कृष्ण भगवान के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। आपने अक्सर देखा होगा कि भगवान कृष्ण की मूर्ति या तस्वीर में उनके सिर पर मोर पंख हमेशा लगा रहता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण को मोर पंख बहुत प्रिय है और यह राधा रानी के प्रति उनके प्रेम का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में मोर पंख से जुड़े कई ऐसे चमत्कारी उपाय बताए गए हैं, जिनको अगर आप जन्माष्टमी के दिन अपनाते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा मिलती है। साथ ही, इनसे आर्थिक तंगी भी दूर हो जाती है।

जन्माष्टमी पर मोर पंख के उपाय

कुछ मान्यताओं में मोर पंख को किस्मत के दरवाजे खोलने वाला माना जाता है। ज्योतिष में जन्माष्टमी के दिन मोर पंख के कई उपाय किए जाते हैं, जो भगवान कृष्ण को प्रसन्न करने और जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए माने जाते हैं।

1. आर्थिक समस्या के लिए

जन्माष्टमी के दिन 5 मोर पंख लें और उन्हें भगवान कृष्ण की मूर्ति के साथ रखें। फिर लगातार 21 दिनों तक नियमित रूप से उनकी पूजा करें। मान्यता है कि इससे आर्थिक परेशानियां दूर हो जाती हैं।

2. नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए

जन्माष्टमी के दिन मोर पंख को घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। इसे इस तरह लगाएं कि यह आसानी से दिखाई दे। ऐसी मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं करती है और सुख-शांति बनी रहती है।

3. धन लाभ के लिए

जन्माष्टमी के दिन कृष्ण मंदिर के पास से मोर पंख लाएं। फिर उसपर गंगाजल छिड़ककर घर की तिजोरी में रख दें। 21 दिनों तक इसे बिना किसी को दिखाए रखें और 21 दिनों के बाद इसे पूजा स्थान पर रख दें। मान्यता है कि इससे रुका हुआ धन वापस मिलता है और धन की कमी दूर हो जाती है।

जन्माष्टमी पर क्या उपाय करने चाहिए?

जन्माष्टमी के दिन भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप का मोर पंख से श्रृंगार करें।

जन्माष्टमी के दिन घर की पूर्व दिशा में मोर पंख रखने से वास्तु दोष दूर होता है।

कार्यक्षेत्र में मोर पंख रखने से करियर में तरक्की मिलती है।

पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ाने के लिए जन्माष्टमी पर बेडरूम में मोर पंख बांधें।

जन्माष्टमी के दिन बच्चों की किबातों के बीच में एक मोर पंख रख दें।

एक ऐसा रहस्यमयी पर्वत, जिसे कहा जाता है 'परियों का देश'

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड अपने प्राचीन मंदिरों और कई अन्य धार्मिक स्थलों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। उत्तराखंड की कई ऐसी जगहें हैं, जो रहस्यों से भरी हुई हैं और इन्हीं में खैट पर्वत का नाम भी शामिल है। इस पर्वत को परियों का देश भी कहा जाता है।

देवभूमि उत्तराखंड अपने हर कोने में कई चमत्कारों और रहस्यों को समेटे हुए है। आपने यहां के बहुत से मंदिरों की कहानी तो जरूर सुनी होंगी जिन्हें अपने आप में अद्भुत माना जाता है। लेकिन उत्तराखंड का एक पर्वत ऐसा भी है जहां पर परियां निवास करती हैं। इस पहाड़ का रहस्य किसी कल्पना से कम नहीं है। इस पर्वत का नाम है खैट पर्वत, जो उत्तराखंज के टिहरी जिले में स्थित है। इस जगह को परियों का देश भी कहा जाता है और यहां परियों के रहने की कई कहानियां प्रचलित हैं।

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित रहस्यमयी खैट पर्वत को लेकर स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पर्वत परियों का निवास स्थान है और यहां परियां अदृश्य रूप से रहती हैं। इस पर्वत पर नौ आंछरी यानी परियों के वास होने की बात कही जाती है। ऐसा माना जाता है कि ये परियां कुछ खास लोगों को ही दिखाई देती हैं।

खैट पर्वत की परियां करती हैं रक्षा

ऐसा माना जाता है कि खैट पर्वत पर रहने वाली परियों को शोर और चमकीले कपड़े पसंद नहीं हैं और जो लोग इन नियमों को नजरअंदाज करते हैं, उन्हें परियां बेहोश करके अपने साथ परी लोक में ले जाती हैं। खैट पर्वत पर हर साल परियों के सम्मान में मेला भी लगता है, जहां परियों की पूजा की जाती है। कहते हैं कि ये 9 परियां इस पर्वत और इसके निवासियों की रक्षा करती हैं।

जीतू बगड़वाल की कहानी

खैट पर्वत के रहस्य की कहानी जीतू बगड़वाल से जुड़ी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पहाड़ पर जीतू बगड़वाल नाम का शख्स अपनी बांसुरी की धुन से परियों को आकर्षित करता था। उसकी बांसुरी की धुन से परियां आकर्षित हुईं और उसे अपने साथ ले गईं। खैट पर्वत पर एक रहस्यमयी गुफा भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि अभी तक इसके आदि और अंत का पता नहीं चल पाया है।

पूर्णिमा पर दिखाई देती हैं ये परियां

धार्मिक मान्यता है कि परियों का देश कहे जाने वाले खैट पर्वत की परियां सिर्फ पूर्णिमा की रात को ही दिखाई देती हैं। यहां पर इन 9 परियों को आछरियां कहा जाता है। इन परियों के नाम हैं- आसा रौतेली, बासा रौतेली, इंगला रौतेली, गर्द वा रौतेली, सते रौतेली, बरदेई रौतेली, कमला रौतेली, देवा रौतेली और बगुला रौतेली।

अन्नमय ज्ञान

श्वेतकेतु, उद्दालक ऋषि का पुत्र था। वेदान्ती होने के नाते वह वेदान्त का अच्छा ज्ञाता था। वेद शास्त्री और ज्ञानी होकर वह अहंकार करने लगा। उसका अभिमान तोड़ने के लिए उसके पिता उद्दालक ने उसे कहा, 'पुत्र, पन्द्रह-सत्रह दिन तक उपवास रखो। इसके उपरान्त में तुम्हें समस्त ज्ञान का मूलमंत्र दूंगा।' श्वेतकेतु ने अपने पिता की आज्ञा का अक्षरशः पालन किया और दो सप्ताह तक निराहार रहे। सोलहवें दिन उद्दालक ने बुलाकर कहा, 'पुत्र, अब मुझे ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के कुछ मंत्र सुनाओ।' पन्द्रह दिन निराहार रहने के कारण श्वेतकेतु इतना कमजोर हो गया कि उसे एक भी मंत्र याद नहीं रहा। फिर उसके पिता ने कहा, 'घर जाओ, अपना व्रत तोड़ो और भोजन से तृप्त होकर दो-चार दिन बाद मेरे पास आओ।' श्वेतकेतु ने वैसा ही किया। भूख शांत होते ही उसके स्मृति-कपाट खुल गए और उसने पिता के पास आकर मंत्र बोलने शुरू कर दिए। तब, ऋषि उद्दालक ने कहा, 'अन्न का करिश्मा देखा, वत्स! हमारा मन अन्नमय है, अन्न के अभाव में उसकी गति लोप हो जाती है। ज्ञान पर गर्व करने से पहले अन्न जुटाने का प्रयोजन करना ही पहला मूल मंत्र है।'

पहली बार घर में गणपति को बैठाने जा रहे हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान

विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश 27 अगस्त को भक्तों के घरों में विराजने आ रहे हैं। साल 2025 में गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन से लेकर अगले 10 दिनों तक गणेश उत्सव की धूम रहेगी।

गणेश स्थापना के लिए अगर आप भी बप्पा को घर ला रहे हैं तो इस बात का खास ध्यान रखें कि मिट्टी की मूर्ति लेकर आएं। मिट्टी की मूर्ति पर्यावरण के अनुकूल होती है। साथ ही गणेश जी का जन्म शरीर की मैल से हुआ था, इसीलिए उनकी मूर्ति को मिट्टी से बनाया जाता है।

गणेश स्थापना के लिए अगर आप भी बप्पा को घर ला रहे हैं तो इस बात का खास ध्यान रखें कि मिट्टी की मूर्ति लेकर आएं। मिट्टी की मूर्ति पर्यावरण के अनुकूल होती है। साथ ही गणेश जी का जन्म शरीर की मैल से हुआ था, इसीलिए उनकी मूर्ति को मिट्टी से बनाया जाता है।

मूर्ति को हमेशा घर लाने से पहले साफ या नए कपड़े से ढककर ही घर में लाएं। मूर्ति को हमेशा देवताओं की दिशा यानि ईशान कोण या उत्तर पूर्व में ही रखें। साथ ही गणेश जी का मुख उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए।

स्थापना करने से पहले घर के उस स्थान को अच्छे से साफ करें और उसके बाद गणेश जी को विधि पूर्वक और पूजा-अर्चना के बाद स्थापित करें।

गणेश जी आपके घर में मेहमान के सामान आते हैं उनकी सेवा करें और उनकी हर जरूरत का ख्याल रखें, उन्हें हर भोजन का भोग लगाएं।

गणेश जी को घर लाने के बाद उन्हें किसी भी पल के लिए अकेला ना छोड़ें, घर में किसी ना किसी को गणेश जी के साथ रहना जरूरी है। इन नियमों का पूरी श्रृद्धा के साथ पालन करें, बप्पा का आशीर्वाद बना रहेगा।

साल 2025 में बलराम जयंती कब?

संतान प्राप्ति के लिए जरूर रखें यह खास व्रत

हिंदू धर्म में हर पर्व का अपना अलग और विशेष महत्व है। हर वर्ष भाद्रपद माह में बलराम जयंती मनाई जाती है। इस व्रत को श्री कृष्ण जन्माष्टमी से पहले रखा जाता है।

बलराम जी भगवान कृष्ण के बड़े भाई थे। बलराम जी को लोग ब्रज के राजा के रूप में भी पूजा करते थे। भगवान बलराम की पूजा-अर्चना आदिशेष के अवतार के रूप में भी की जाती है। बलराम जी को भगवान विष्णु जी का 8वां अवतार माना जाता है। जिस नाग पर भगवान विष्णु विश्राम करते हैं, वह नाग आदिशेष के रूप में जाना जाता है। भगवान बलराम को बलदेव, बलभद्र और हलायुध के नाम से भी जाना जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलराम जयंती या वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। साल 2025 में बलराम जयंती 14 अगस्त 2025, बृहस्पतिवार के दिन मनाई जाएगी। बलराम जी द्वापर युग में अवतरित हुए थे। उन्हें दाऊ भैया के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर भारत में इस दिन को हल षष्ठी और ललही छठ के नाम से भी जाना जाता है। वहीं ब्रज क्षेत्र में इस दिन को बलदेव छठ के नाम से जाना जाता है। इस दिन हल एवं बैलों की पूजा भी की जाती है। बलराम भगवान को कृषि और शक्ति का देवता भी माना जाता है। इस खास दिन पर बलराम जी के मंदिर में उनका अभिषेक और छप्पन भोग का आयोजन किया जाता है।

बलराम जी और श्रीकृष्ण भगवान भाई थे, लेकिन दोनों की मां अलग थी। श्री कृष्ण के पिता वासुदेव की पहली पत्नी रोहिणी के पुत्र थे बलराम और वासुदेव की दूसरी पत्नी देवकी से पुत्र थे भगवान श्री कृष्ण।

बलराम जयंती 2025 महत्व

हिंदू धर्म में इस व्रत का खास महत्व है। इस व्रत को महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए रखती हैं। इस व्रत को रखने से बच्चों से जुड़ी परेशानियों का अंत होता है और विष्णु जी की कृपा बनी रहती है। साथ ही इस व्रत को करने से बीमारी, डर से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

1. बलराम भगवान के मंदिर कहां है?

एक मथुरा के वृंदावन में है, और दूसरा जम्मू में सूर्यपुत्री तवी नदी के किनारे धौंथली में है।

2. बलराम जी का जन्म कहां हुआ था?

बलराम जी का जन्म ब्रज में वसुदेव की प्रथम पत्नी रोहिणी के गर्भ से हुआ था।

दुर्भावना से अहित

एक राजा ने बाग के समीप एक टूटा-फूटा मकान देखा, जो बगीचे की सुंदरता को बिगाड़ रहा था। राजा ने सेवक को वह मकान हटाने की आज्ञा दी। उस मकान में श्याम नाम का एक गरीब आदमी रहता था, जो जंगल से चंदन की लकड़ियां लाकर अपने परिवार का पेट पालता था। लकड़हारा दौड़ा-दौड़ा मंत्री के पास पहुंचा और उसको मकान गिराने वाली बात बताई।

मंत्री ने लकड़हारे से पूछा, 'क्या तुम्हारे मन में कभी राजा के प्रति कोई बुरा ख्याल आता रहा है?' वह कांपता हुआ बोला, 'मंत्री जी, मेरे मन में सदा यह विचार आता था कि जिस दिन राजा मरेगा उस दिन राजा की अंत्येष्टि के लिए मेरी सारी चंदन की लकड़ियां एक ही बार में बिक जाएंगी, जिससे मुझे काफी लाभ होगा।' यह सुनकर मंत्री ने उससे कहा कि, 'यह राजा के लिए जो दुर्भावना वर्षों से तुम्हारे मन में पल रही थी, वह पलटकर अब तुम्हारे ऊपर ही आन पड़ी है। इससे राजा का तो कुछ बिगड़ा नहीं पर तुम्हारा अहित जरूर होने वाला है।' लकड़हारे की आंखें खुल गईं। उसने उसी दिन से अपने नकारात्मक विचारों को छोड़कर सभी के कल्याण की भावना मन में रखनी शुरू कर दी। एक तय अवधि के बाद धनात्मक विचारों का परिणाम यह हुआ कि अगली बार दौरा करते समय जब राजा उस मकान के पास से गुजरा तो उसने मकान को ध्वस्त कराने के विचार को नहीं दोहराया।

– प्रस्तुति : राजकिशन नैन

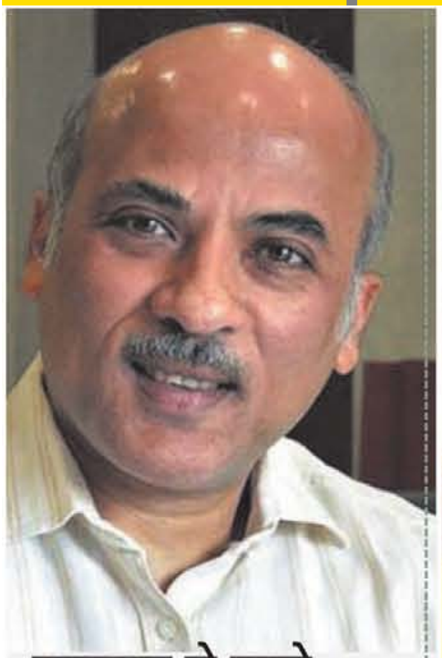

सलमान से पहले आयुष्मान की फिल्म, सूरज बोले- चाहता हूं प्रेम लौटे तो दर्शकों के दिल तक पहुंचे

अपने नए शो 'मनपसंद की शादी' पर चर्चा करते हुए सूरज बड़जात्या कहते हैं, 'काफी वक्त से मेरे दिमाग में एक सोच थी। एक ऐसी कहानी बनाना चाहता था, जिसमें आज के दौर बच्चों और शादी को लेकर उनका नजरिया पेश किया जाए। चैनल वाले मेरे पास एक साल की रिसर्च लेकर आए थे, जिसमें छोटे शहरों के लड़के-लड़कियों से पूछा गया था कि वे कैसी शादी चाहते हैं? वहीं से 'मनपसंद की शादी' का कॉन्सेप्ट बना।' बड़जात्या ने आगे बताया, 'आज के बच्चे कहते हैं- हम अपने लिए साथी खुद चुनेंगे, लेकिन भागकर शादी नहीं करना चाहते। लिस्ट बनाएंगे, परखेंगे, फिर पेरेंट्स से मिलवाएंगे और जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यही सोच इस शो की नींव है।'

शादियों की अहमियत कायम है

बड़जात्या मानते हैं कि समय के साथ परिवार का ढांचा बदला है, लेकिन उसकी अहमियत नहीं। उन्होंने कहा, 'आज अगर मैं सोचूं कि 15-20 लोग एक ही घर में रहते हैं तो शायद कई लोगों के लिए यह बड़ी बात होगी। आज परिवार भले ही छोटे हो गए हैं, पर उनकी अपनी अहमियत है। शादियों की भी अपनी अहमियत होती है। बदला कुछ नहीं है।'

टीआरपी के लिए दिखावा नहीं, अच्छा कंटेंट चाहिए

टीवी पर टीआरपी को लेकर होने वाले दबाव के बारे में सूरज ने कहा, 'टीआरपी का दबाव आपके काम का हिस्सा है, पर सिर्फ टीआरपी बढ़ाने के लिए नकली ड्रामा करना, लंबे समय तक नहीं चलता। कहानी अच्छे से पेश की जाए तो वह अपनी टीआरपी खुद लाती है।'

सलमान की फैमिली फिल्म में वक्त लगेगा

यह पूछे जाने पर कि क्या सलमान खान के साथ फिर काम करेंगे? सूरज बड़जात्या ने कहा, 'हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सलमान हमारी आने वाली फिल्म का हिस्सा बनें। कहानी पर भी काम चल रहा है। हालांकि, सच्चाई ये भी है कि सलमान भाई के लिए एक्शन करना आसान है, लेकिन अगर उनको फैमिली फिल्म में लाना है तो उनकी उम्र और इमेज के हिसाब से कहानी होना जरूरी है। हम चाहते हैं कि जब 'प्रेम' लौटे तो वो सही मायनों में ऑडियंस के दिल तक पहुंचे इसलिए कहानी पर बारीकी से काम हो रहा है और इसमें थोड़ा वक्त लग रहा है।'

पति, पत्नी और वो 2 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री

आयुष्मान खुराना जल्द ही फिल्म पति, पत्नी और और वो 2 में दिखाई देंगे। मुदस्सर अजीज इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... पति, पत्नी और वो 2 में आयुष्मान के साथ एक नहीं, बल्कि 3 एक्ट्रेस नजर आएंगी। सारा अली खान और वामिका गब्बी पहले ही इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। अब फिल्म में रकुल प्रीत सिंह की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने उन्हें इस फिल्म के लिए साइन कर लिया है। इसके साथ रकुल को फिल्म की स्क्रिप्ट भी काफी पसंद आई है। फिल्म में उनका क्या किरदार रहेगा इस बारे में फिलहाल जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट करेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पति, पत्नी और वो 2 की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की कहानी लिखकर तैयार है। फिल्म 2026 में रिलीज होगी, इसकी कहानी भी लिखकर तैयार है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान किसी ने नहीं दिया काम, अब मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं

हिना खान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। साथ ही फिल्मों में भी लीड रोल कर चुकी हैं। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। इसी बीमार से वह डटकर लड़ी और इलाज के बाद ठीक हो गई। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान भी हिना खान एक्टिव रहीं लेकिन किसी सीरियल या फिल्म में नजर नहीं आईं। जबकि वह तो काम करना चाहती थी। अब हिना खान ने बताया कि किसी ने उन्हें पिछले एक साल में कोई काम ऑफर नहीं किया है।

काम देने से हिचकिचा रहे हैं लोग

एक इंटरव्यू में हिना खान कहती हैं, 'बीमारी का पता लगने, इलाज हो जाने के बाद 'पति पत्नी और पंगा' मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं। किसी ने मुझसे सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो। लेकिन मुझे लगता है कि शायद लोग काम देने से हिचकिचा रहे हैं। हो सकता है शो बनाने वाले ऐसा करें, मैं उनकी स्थिति भी समझती हूं। अगर मैं उनकी जगह होती, तो हजार बार सोचती।'

ऑडिशन देने के लिए तैयार हैं हिना खान

हिना खान आगे कहती हैं, 'लेकिन मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी थी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, मुझे कॉल करें।' हाल ही में हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ शो 'पति पत्नी और पंगा' का हिस्सा बनी हैं।

'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल शामिल हुए

हिना और रॉकी के अलावा 'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल भी शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में देबिन्ना बोनर्जी और गुरमीत चौधरी, रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर और फहद अहमद, गीता फोगट और पवन कुमार, सुदेश लहरी और ममता लहरी शामिल हैं।

मदरहुड जर्नी को एंज्वॉय कर रही हैं कियारा

कियारा आडवाणी का घर और जिंदगी इस वक्त खुशियों से भरी हुई है। 15 जुलाई को कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक बेटी के माता-पिता बने। बेटी के जन्म पर कियारा और सिद्धार्थ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था, 'हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी हुई।' हाल ही में कियारा ने अपनी मदरहुड जर्नी को लेकर भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की है।

कियारा ने पोस्ट में लिखे अपने इमोशन

कियारा आडवाणी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मैं तुम्हारे डायपर बदलती हूं, तुम मेरी दुनिया बदलो। यह एक फेयर ट्रेड (अह्ह्इस्द्र)है।' इस पोस्ट के जरिए कियारा अपनी मदरहुड जर्नी को फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। इस मदरहुड जर्नी में पति सिद्धार्थ मल्होत्रा भी कियारा का साथ दे रहे हैं। वायरल वीडियो में अक्सर नजर आता है कि वह कियारा का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं।

'वॉर 2' में नजर आएंगी कियारा

कियारा आडवाणी इन दिनों ब्रेक पर हैं, वह बेटी की परवरिश में समय दे रही हैं। लेकिन जल्द ही वह फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग कियारा पहले कर चुकी थीं। फिल्म 'वॉर 2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। केजीएफ फेम साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में भी अगले साल कियारा नजर आएंगी। यह एक मेगा बजट एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है। अगले साल मार्च महीने में यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

जॉन अब्राहम ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ, सबसे ज्यादा इन अभिनेताओं का पसंद आया काम

मलयालम फिल्में असली और सच्ची कहानियों के लिए मशहूर हैं। मलयालम फिल्ममेकर किसी मशहूर स्टार के बजाए कहानी पर जोर देते हैं। बॉलीवुड कलाकार जॉन अब्राहम पहले से ही इस तरह की चीजों को पसंद करते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि वह मलयालम सिनेमा की तरह फिल्में बनाना पसंद करते हैं। वह मलयालम कलाकार मोहनलाल और ममूटी के फैन हैं।

मलयालम फिल्में बनाना चाहते हैं जॉन

जॉन अब्राहम ने आगे कहा मैं सोच रहा हूं कि मैं मलयालम सिनेमा से कुछ विचार उधार ले सकूं। इसलिए मैंने केरल में एक लेखक रूम बनवाया। ताकि वहां से विचार लें और ऐसी फिल्में देखें जो राष्ट्रीय स्तर पर या सिर्फ मलयालम में बनाई जा सकें। मैं मलयालम फिल्में बनाना चाहता हूं क्योंकि यही सही समय है। हालांकि मैं दूसरी फिल्में भी बनाना चाहता हूं।

जॉन ने की मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ

इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में जॉन अब्राहम ने मलयालम सिनेमा की इस बात के लिए तारीफ की है कि मलयालम सिनेमा उन कहानियों पर फिल्में बनाता है जिन्हें दूसरे लोग मुश्किल से छूते हैं। उन्होंने कहा मलयालम इंडस्ट्री बहुत बहादुर है। मुझे लगता है कि देश में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से सबसे अच्छी फिल्में आ रही हैं। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि सबसे अच्छा अभिनेता कौन है तो मैं कहूंगा मोहनलाल।

जॉन ने की अभिनेता ममूटी की तारीफ

जॉन अब्राहम ने फिल्म कैथल- द कोर के अभिनेता ममूटी की तारीफ की। उन्होंने कहा आप ममूटी को देखिए। उन्होंने फिल्म में एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया है। आप देखेंगे कि उन्होंने फिल्म में समलैंगिक का रोल किया है। मेरा मतलब है कि यह बहुत बहादुरी वाला किरदार है, जो उन्होंने फिल्म में निभाया है।

जॉन अब्राहम का वर्क फ्रंट

जॉन अब्राहम हाल ही में फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी। वह अपकमिंग फिल्म तेहरान में भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

गांधी बनकर खुद को साबित करने का मुझे एक और मौका मिला है...

प्रतीक गांधी फुले के बाद अब गांधी की बायोपिक सीरीज में दिखेंगे। यह इसाने टाइटल रोल में हैं। इसका वर्ल्ड प्रीमियर 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी होगा। उन्होंने इस किरदार के लिए अपनी तैयारी, इसे निभाने की चुनौतियों समेत करियर पर बातचीत की...

गांधी के लिए बेन किंग्सले जैसा जज्बा दिखाएंगे क्या?

जज्बे की बात जहां तक है तो मेरे जीवन का ये सबसे अहम किरदार है। मैं सालों से स्टेज पर यह किरदार प्ले कर रहा हूं। गांधी का मोनोलॉग भी मैं करता हूं। 12-13 वर्षों से स्टेज पर इस किरदार को परफॉर्म किया है। तो कहीं न कहीं अनजाने में मैं इसके लिए तैयारी ही कर रहा था। मुझे नहीं पता था जब मैंने नाटक शुरू किया था कि पास में कभी ऐसी सीरीज भी आएगी। उस तरह से मुझे उस तैयारी ने काफी मदद की है। इसलिए इस किरदार को निभाना बहुत मुश्किल नहीं लगा।

टोरंटो फेस्टिवल में सीरीज के जाने की कैसी खुशी है?

यह इस टोरंटो फेस्टिवल की प्राइमटाइम कैटेगरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय सीरीज है। मुझे खुशी है कि ऐसे बड़े प्रतिष्ठित इवेंट में वर्ल्ड हमारी सीरीज को प्रीमियर मिला है। यह मेरे और मेकर्स दोनों के लिए गर्व की बात है। इस सीरीज में भामिनी ओझा कस्तूरबा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है। यह कहानी लेखक रामचंद्र गुहा की दो फेमस बुक्स गांधी बिफोर इंडिया और गांधी : द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित है।

इस किरदार के लिए खुद को कैसे ट्रांसफॉर्म किया है?

ट्रांसफॉर्मेशन का तो ऐसा है कि थोड़ा मसल्स लॉस किया है। चूंकि गांधी जी जरा दुबले-पतले थे। मुझे उस एज ग्रुप को भी प्ले करना था तो उस हिसाब से बदलाव तो करना ही पड़ा।

गांधी जी की उम्र के किन फेज तक जाएगी सीरीज ?

इस सीरीज में गांधी जी की लाइफ के यंग फेज को हम दिखाएंगे। हमने इसमें उनको एक अलग तरह से दिखाने का प्रयास किया है। जब वह साउथ अफ्रीका में पढ़ाई करते थे। सूट-बूट वाले महात्मा गांधी को हम दिखाएंगे। बाकी अपनी गलतियों से सीखकर जो निर्णय उन्होंने जीवन में लिए उसकी वजह से वो महात्मा तक का सफर तय कर पाए थे।

स्कैम... के बाद करियर में क्या बदलाव पाया है?

स्कैम 1992 के बाद बहुत बड़ा बदलाव आया है। राइटर्स-डायरेक्टर्स, मेकर्स के अंदर मुझे लेकर विश्वास बढ़ा है। उन्हें लगने लगा है कि इस पर भी बड़ा दांव लगा सकते हैं। बड़े लंबे अरसे तक हमारी लड़ाई और जर्नी यही रही है कि हम सिर्फ किसी का भरोसा जीत पाएं। स्कैम 1992 के बाद ये हुआ कि लोगों ने बहुत ही भरोसा दिखाया। इसी के चलते मुझ तक अच्छी कहानियां पहुंचना शुरू हुई हैं। अब कई राइटर्स कहते हैं कि आपको ही सोचकर ये कहानी तैयार की है। यह बात मुझे सुकून देती है।

ग्रेटर नोएडा में हर्षोल्लास के साथ मनाया 'तिरंगा महोत्सव'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में 02 से 15 अगस्त 2025 तक आयोजित हो रहे 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के तहत मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में 'तिरंगा महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा, जिलाधिकारी मेधा रूपम एवं अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण प्रेरणा सिंह तथा सुमित यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक यह ध्वज देश के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और त्याग की भावना का संचार करता आया है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों में देश के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना जागृत करने का भी माध्यम है। हमारे देश की आने वाली युवा पीढ़ी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका है। भाजपा जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में उपस्थित सभी से आग्रह किया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने-अपने घरों में तिरंगे का मान-सम्मान रखते हुए अवश्य तिरंगा फहराएं। उन्होंने विशेष रूप से सभी से अपील की कि इस अभियान में बच्चों को भी शामिल करें और अपने-अपने बच्चों से तिरंगा लगवाएं, ताकि बचपन से ही उनमें देशभक्ति, सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार हो सके।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, संघर्ष और संकल्प को स्मरण करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत अपने-अपने घरों में तिरंगे का मान सम्मान रखते हुए तिरंगा अवश्य लगाये। उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने यह भी बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जिले के सभी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों, औद्योगिक संस्थानों, व्यापारिक संस्थानों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होशियापुर, प्राथमिक विद्यालय नगला बंजारा तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय सेक्टर-12, नोएडा के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए समारोह के समापन की घोषणा की।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति, आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण ने सेक्टर-2 व सूरजपुर में लगाए पौधे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग की तरफ से ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर 2 और सूरजपुर में पौधारोपण किया गया। सेक्टर -2 में नीम, चंपा और कनेर आदि प्रजाति के 100 से अधिक एवं सूरजपुर में 130 पौधे लगाए गए। पौधे लगाने में प्राधिकरण के उद्यान विभाग के डीजीएम संजय कुमार जैन और प्रबंधक प्रशांत समाधिया, सहायक प्रबंधक हरिंदर सिंह के अलावा हरेंद्र भाटी, गजराज सिंह सहित आरडब्ल्यूए के अन्य पदाधिकारी शामिल रहे, जबकि सूरजपुर स्थित श्मशान घाट में 130 पोधों को रोपित किया गया पौधरोपण के दौरान मानिक चंद शर्मा व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। यहां अमरूद, कचनार, गुलमोहर जामुन, नींबू ,आदि प्रजाति के पौधे लगाए गए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने शहर को और अधिक हरा भरा बनाने के लिए सभी निवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की है।

निजी अस्पतालों के भूखंडों पर बने सरकारी अस्पताल : एनईए

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में निजी अस्पतालों के लिए चार भूखंडों की योजना लॉन्च की है। नोएडा में

उद्यमियों की संस्था एनईए ने इन भूखंडों पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा अस्पताल बनाकर आम जनता को लाभ पहुंचाने की मांग की है।

नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने इस संबंध में एक पत्र ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को लिखा है। विपिन मल्हन ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को लिखे पत्र में कहा है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने निजी अस्पतालों के लिए बिडिंग स्कीम के अंतर्गत 4 भूखंडों की योजना लॉन्च की है। गौतमबुधनगर में सरकारी एवं निजी अस्पतालों के अनुपात में भारी अंतर है। जिसमें सरकारी अस्पतालों की संख्या निजी अस्पतालों की तुलना में बहुत कम है। शहर में लाखों की संख्या में ऐसे परिवार हैं जो निजी अस्पतालों में अपना इलाज करने में सक्षम नहीं है। क्योंकि निजी अस्पतालों में इलाज करना बहुत महंगा होता है जो आम आदमी के बस से बाहर होता है।

उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से अपील की है कि वह आरक्षित इन चार भूखंडों को बिडिंग के माध्यम से बेचने के बजाय प्राधिकरण स्वयं अस्पताल का निर्माण कर संचालित करें। जिससे आम जनमानस को आर्थिक और स्वास्थ्य लाभ हो। यदि प्राधिकरण अस्पतालों का निर्माण नहीं कर सकता तो इन चारों भूखंडों को बिडिंग से बाहर कर सरकारी अस्पतालों के लिए आवंटित किया जाए ताकि लाखों निवासियों के लिए सरकारी अस्पताल वरदान साबित हो सकें।

एमिटी में वंदे लगे मातरम और 'भारत माता की जय' के नारे

एमिटी विवि में छात्रों और शिक्षकों ने निकाली तिरंगा रैली

नोएडा (चेतना मंच)। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत छात्रों में राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ाने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए एमिटी विश्वविद्यालय में एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षकों और छात्रों ने तिरंगा रैली निकाली। इस अवसर पर छात्रों ने झंडे हाथ में लेकर वंदे मातरम और 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाये।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस रैली में छात्रों की बड़ी संख्या में हिस्सेदारी आपका देश के प्रति सम्मान को दर्शा रहा है। हमारे देश के अनगिनत क्रातिकांरियों ने बलिदान दिया और तब जाकर हमें यह आजादी मिली है इसलिए हमारा कर्तव्य बनता है कि आप उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करे और अपने घर में, आस पड़ोस में, संस्थानों में सभी को घर में राष्ट्रध्वज लगाने के लिए प्रेरित करें और इसका प्रचार प्रसार करें। आज हमारा देश विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्था में शामिल है और हम विकसित देश बनने की राह में अग्रसर है ऐसे में आप युवाओं की जिम्मेदारी बनती है आप हर क्षेत्र में राष्ट्र के मान को और बढ़ाये। इस तिरंगा रैली में एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह, एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल, डा चंदद्रीप टंडन, बिग्रेडियर अर्जन दत्ता सहित एमिटी स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्टस सांइसेस, एमिटी विश्वविद्यालय की सीनियर डिविजन की एनसीसी कैडेट्स भी उपस्थित थी।

चौराहों व मार्गों को रेहड़ी-पटरी से मुक्त रखें : एसीईओ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने मंगलवार को प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग के कार्यों की समीक्षा की। एसीईओ ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए शहर के गोलचक्करों और मुख्य मार्गों को अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए निरंतर अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में शामिल ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने एसीईओ को बताया कि अर्बन सर्विसेस विभाग द्वारा सड़कों के किनारे रेहड़ी-पटरी लगाकर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। बैठक में वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव, वरिष्ठ प्रबंधक रामकुमार, प्रबंधक अभिषेक सिंह व शुभांगी तिवारी, चंद्र दीप सिंह आदि मौजूद रहे।

किसान नेताओं ने एसीईओ से की मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। जनार्दन भाटी जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल के नेतृत्व में गांव रामपुर फतेहपुर के किसान अपनी

समस्याओं को लेकर ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में सुनील सिंह (ACEO) से मुलाकात की।

रालोद ने मांग की कि गांव के किसानों के 6 प्रतिशत प्लॉट का प्रकाशन हो चुका है उनकी पात्रता तय की जाए। गांव की जितनी भी समस्याएं हैं उन्हें जल्द से जल्द सुनकर निपटारा किया जाए। मीटिंग लगभग 1 घंटे से भी अधिक चली। सुनील कुमार ACEO ने गांव की समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर हरवीर सिंह क्षेत्रीय महासचिव जोगिंदर सिंह तालान जिला उपाध्यक्ष जसवीर भाटी जिला महासचिव अजयपाल भाटी मास्टर महेशचंद प्रजापति इंस्पेक्टर गजराज भाटी डॉ जितेंद्र प्रजापति पवन भाटी ऋषि पाल प्रजापति संदीप प्रजापति धर्मपाल कसाना भीम प्रजापति परमजीत भाटी भगत सिंह कसाना आदि किसान मौजूद रहे।

अतुलनीय है नए संसद भवन की भव्यता : रविकांत मिश्रा

नोएडा (चेतना मंच)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व बहराइच के सांसद के सहयोग से नोएडा के भाजपा नेताओं व समाजसेवियों ने संसद के नए भवन का अवलोकन किया। वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित रविकांत मिश्रा ने बताया कि नया संसद भवन वास्तु कला से लेकर हर दृष्टि से विहंगम तथा अतुलनीय है।

उन्होंने बताया कि बहराइच के सांसद डॉ आनंद कुमार गौड़ के बुलावे पर संसद भवन देखने का मौका मिला। सांसद ने नये और पुराने संसद भवन का भ्रमण कराया। पुरानी और नई संसद भवन की सांस्कृतिक धरोहर देखकर अभिभूति हुआ। इस मौके पर ऋषभ कुमार तिवारी, रोहित कुमार और वरिष्ठ पत्रकार शिव शरण अवस्थी आदि शामिल रहे।